dinbandhunews.com | dinbandhunews.com/epaper | Twiter.com | facebook.com | Instragramcom

दैनिक दीन बन्धु

राजधानी का अखबार

RNI.NO. MPHIN/2012/42537

भोपाल, शुक्रवार

04.07.2025

वर्ष : 13

अंक : 196

पृष्ठ : 8 मूल्य : 1/-

युगाब्द 5127

विक्रम संवत 2082

टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे युवा भारतीय कप्तान बने गिल

लंदन ■ एजेंसी

शुभमन गिल इंग्लैंड में टेस्ट मैच में दोहरा शतक लगाने वाले पहले भारतीय और एशियाई कप्तान बन गए. उन्होंने एजबस्टन में दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन यह उपलब्धि हासिल की. गिल ने ये कारनामा करने के लिए 311 गेंदों का सामना किया और ऐतिहासिक पारी खेलकर टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है, बतौर कप्तान गिल दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे सबसे युवा भारतीय कप्तान भी बन गए. गिल इसके साथ ही इंग्लैंड की सरजमीं पर सर्वोच्च स्कोर बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए. उन्होंने सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ा जिन्होंने 1979 में ओवल में 221 रन की पारी खेली थी. ??इससे पहले किसी एशियाई कप्तान का इंग्लैंड में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 193 रन था जो 2011 में श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान ने लार्ड्स पर बनाए थे.

भारत के लिए दोहरा शतक लगाने वाले कप्तानों की लिस्ट

लीड्स में टेस्ट कप्तान के रूप में अपने पदार्पण मैच में 147 रन बनाने वाले गिल ने जोश टंग की गेंद पर डीप फाइन लेग पर एक रन लेकर लेकर पारंपरिक प्रारूप में अपना पहला दोहरा शतक पूरा किया. वह भारत के लिए दोहरा शतक लगाने वाले कप्तानों की सूची में एमएके पटौदी, सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और महेंद्र सिंह धोनी के साथ शामिल हो गए. विराट कोहली के नाम भारत के लिए कप्तान के रूप में सात दोहरे शतक जड़ने का रिकॉर्ड है. गिल से पहले एसईएनए (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देश में किसी भारतीय कप्तान द्वारा बनाया गया सर्वोच्च स्कोर 192 रन था जो मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 1990 में ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के खिलाफ बनाया था. इससे पहले मैनचेस्टर में 1990 में अजहरुद्दीन द्वारा बनाए गए 179 रन इंग्लैंड में किसी भारतीय कप्तान द्वारा बनाया गया सर्वोच्च स्कोर था. गिल सुनील गावस्कर और राहुल द्रविड़ की महान जोड़ी के बाद यहां दोहरा शतक बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज हैं.

ब्रीफ न्यूज

बागेश्वर धाम में बड़ा हादसा, टेंट गिरने से 1 की मौत, 4 घायल

छतरपुर। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के विश्व प्रसिद्ध बागेश्वर धाम गढ़ा परिसर में गुरुवार सुबह हुए एक दुखद हादसे में टेंट गिरने से एक श्रद्धालु की मौत हो गई. जबकि 3 से 4 अन्य घायल हो गए. यह घटना सुबह करीब 7 बजे आरती के बाद हुई, जब श्रद्धालु बारिश से बचने के लिए टेंट के नीचे जमा हुए थे. मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के अयोध्या निवासी श्यामलाल कौशल के रूप में हुई है. उनके दामाद राजेश कुमार कौशल ने बताया कि श्यामलाल के सिर में टेंट से निकला एक लोहे का एंगल लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई. राजेश कुमार कौशल स्वयं और परिवार के अन्य सदस्य सौम्या, पारुल और उन्नति सहित 3 से 4 लोग इस हादसे में घायल हुए हैं. सभी घायलों को छतरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

दिल्ली हाईकोर्ट की पतंजलि च्यवनप्राश के विज्ञापन पर रोक

नई दिल्ली। पतंजलि च्यवनप्राश के विज्ञापन को लेकर डाबर की ओर से याचिका लगाई गई थी। डाबर का कहना है कि बाबा रामदेव ग्राहकों को गुमराह कर रहे हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को पतंजलि को निर्देश दिया है कि वह

डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ कोई भी नकारात्मक या भ्रामक विज्ञापन न दिखाए। यह आदेश जस्टिस मिनी पुष्करणा ने डाबर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद दिया। डाबर ने कोर्ट में तर्क रखा कि इस तरह के विज्ञापन न सिर्फ उनके उत्पाद को बदनाम करते हैं, बल्कि उपभोक्ताओं को गुमराह भी करते हैं। च्यवनप्राश एक पारंपरिक आयुर्वेदिक औषधि है, जिसे ड्रग्स और कॉस्मेटिक एक्ट के तहत नियमानुसार ही बनाना होता है। ऐसे में अन्य ब्रांड्स को सामान्य कहना गलत, भ्रामक और नुकसानदायक है। इस मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी। फिलहाल पतंजलि च्यवनप्राश के विज्ञापन पर रोक लगा दी गई है।

कलकत्ता हाईकोर्ट का आदेश- इलेक्शन तक छात्रसंघ ऑफिस बंद रहेंगे

कोलकाता। कोलकाता हाईकोर्ट ने लॉ कॉलेज में गैंगरेप को लेकर दाखिल की गई तीन जनहित याचिकाओं पर सुनवाई की। हाईकोर्ट ने बंगाल के सभी कॉलेज और यूनिवर्सिटी में छात्र संघ कार्यालयों को बंद करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार से भी रिपोर्ट मांगी है। जस्टिस सौमेन सेन और जस्टिस स्मिता दास डे की बेंच ने कहा कि छात्र चुनाव होने तक ये कमरे बंद रहेंगे। कोर्ट ने कहा कि ऐसे कमरों का इस्तेमाल किसी भी काम के लिए नहीं किया जा सकता है। जरूरत होने पर वैध कारणों के साथ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रार को आवेदन देना होगा। वहीं, पश्चिम बंगाल बार काउंसिल ने बुधवार को मुख्य आरोपी मनोजित मिश्रा की मेंबरशिप रद्द कर दी और उनका नाम वकीलों की सूची से हटा दिया।

केजरीवाल का ऐलान- बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी आप

पटना। आम आदमी पार्टी बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को अहमदाबाद में कहा, इंडिया गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था। अब हमारा किसी से कोई गठबंधन नहीं है। केजरीवाल गुजरात के दो दिन के दौरे पर अहमदाबाद पहुंचे। यहां उन्होंने पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरुआत की। केजरीवाल ने कहा कि गुजरात के विसावदर उपचुनाव में हमने कांग्रेस से अलग लड़कर तीन गुना ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा, यह जनता का सीधा संदेश है कि अब विकल्प आम आदमी पार्टी है। आगे गुजरात में चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे।

सीएम आज प्रतिभाशाली प्रोत्साहन योजना में 235 करोड़ की राशि करेंगे अंतरित

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का होगा सम्मान, मिलेगी लैपटॉप की राशि

भोपाल ■ ब्यूरो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शुक्रवार 4 जुलाई को प्रातः 11 बजे भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में लैपटॉप की राशि अंतरित करेंगे। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह और जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. विजय शाह की भी गरिमामय उपस्थिति रहेगी। स्कूल शिक्षा विभाग की प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले प्रति विद्यार्थी को 25 हजार रुपये की राशि लैपटॉप क्रय करने के लिये उनके बैंक खाते में अंतरित करेंगे। इस वर्ष 94 हजार 234 विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिये 235 करोड़ 58 लाख 50 हजार रूपये की राशि दी जा रही है। कार्यक्रम में प्रदेश के 500 से अधिक विद्यार्थी और शिक्षक सहभागिता करेंगे। प्रदेश में पिछले वर्ष 2023-24 में 89 हजार 710 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के बैंक खातों में 224 करोड़ 27 लाख 50 हजार रुपये की राशि अंतरित की गयी थी। प्रदेश में यह योजना वर्ष 2009-10 से संचालित हो रही है। पिछले 15 वर्षों में इस योजना में 4 लाख 32 हजार 16 विद्यार्थियों के बैंक खातों में एक हजार 80 करोड़ 4 लाख रुपये की राशि प्रोत्साहन स्वरूप लैपटॉप के लिये अंतरित की जा चुकी है।

उज्ज्वल भविष्य का निर्माण सीएम मोहन यादव

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के मार्गदर्शन में हमारी सरकार प्रतिभावान विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु हरसंभव प्रयास और सहायता के लिए तत्पर है. कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 75% से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए 25000 दिए जाएंगे. मुझे प्रसन्नता है कि 4 जुलाई को हम प्रदेश में 12वीं कक्षा में 75% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 94,234 विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए प्रत्येक विद्यार्थी 25 हजार की प्रोत्साहन राशि देंगे.

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में लैपटॉप राशि अंतरण के भोपाल में होने वाले राज्यस्तरीय आयोजन का जिला मुख्यालय पर होने वाले कार्यक्रम में सीधे प्रसारण करवाने की व्यवस्था भी की गई है। जिला मुख्यालय पर होने वाले कार्यक्रम में मंत्रिगण, जिला पंचायत अध्यक्ष और जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। जिला मुख्यालयों पर होने वाली प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में लैपटॉप राशि अंतरण समारोह में मंत्रीगण शामिल होंगे। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा देवास, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल शहडोल, मंत्री श्री करण सिंह वर्मा सिवनी, श्री संपतिया उइके सिंगरौली, श्री तुलसीराम सिलावट ग्वालियर, श्री एंदल सिंह कंषाना दतिया, सुश्री निर्मला भूरिया मंदसौर, श्री गोविंद सिंह राजपूत गुना, श्री विश्वास सारंग हरदा, श्री नारायण सिंह कुशवाह शाजापुर, श्री नागर सिंह चौहान आगर-मालवा, श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शिवपुरी, श्री राकेश शुक्ला अशोकनगर, श्री चेतन्य कुमार काश्यप राजगढ़, श्री इंदर सिंह परमार दमोह, श्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी खंडवा, श्री दिलीप जायसवाल सीधी, श्री गौतम टेटवाल उज्जैन, श्री लखन पटेल विदिशा, श्री नारायण सिंह पंवार रायसेन, श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल बैतूल, श्रीमती प्रतिमा बागरी डिंडोरी, श्री दिलीप अहिरवार अनूपपुर, श्रीमती राधा सिंह मैहर से कार्यक्रम में शामिल होंगे।

घाना की संसद को पीएम मोदी ने किया संबोधित, बोले

दोनों देशों के बीच मजबूत संबंध

एक्रॉ ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को घाना पहुंचे। यहां पहुंचते ही उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पिछले 30 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली घाना यात्रा है। पीएम मोदी ने घाना की संसद को भी संबोधित किया। पीएम ने कहा कि मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है। लोकतंत्र हमारे लिए सिस्टम नहीं, संस्कार है। पीएम ने देशवासियों की तरफ से आभार जताते हुए कहा कि कल शाम का अनुभव बहुत ही मार्मिक था, मेरे प्रिय मित्र राष्ट्रपति जॉन महामा से राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करना सम्मान की बात है। भारत के 140 करोड़ लोगों की ओर से मैं इस सम्मान के लिए घाना के लोगों को धन्यवाद देता हूं। पीएम मोदी ने कहा, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रतिनिधि के रूप में मैं अपने साथ 140 करोड़ भारतीयों की सद्भावना और शुभकामनाएं लेकर आया हूं। घाना को सोने की भूमि के रूप में जाना जाता है, न केवल आपकी धरती के नीचे छिपी हुई चीजों के लिए बल्कि आपके दिल में मौजूद गर्मजोशी और ताकत के लिए भी। उन्होंने कहा कि मैं घाना गणराज्य की संसद को संबोधित करके बहुत ही सम्मानित महसूस कर रहा हूं। घाना में होना सौभाग्य की बात है, यह एक ऐसी भूमि है जो लोकतंत्र की भावना को प्रसारित करती है।

वैश्विक शासन में सुधारों का जिक्र

पीएम मोदी बोले, भारत लोकतंत्र की जननी है। हमारे लिए लोकतंत्र एक व्यवस्था नहीं है, बल्कि संस्कार है। भारत में 2,500 से ज्यादा राजनीतिक दल हैं, 20 अलग-अलग पार्टियाँ अलग-अलग राज्यों पर शासन करती हैं, 22 आधिकारिक भाषाएँ हैं, हज़ारों बोलियाँ हैं। यही वजह है कि भारत आने वाले लोगों का हमेशा खुले दिल से स्वागत किया जाता है। पीएम ने कहा कि दुनिया जलवायु परिवर्तन, महामारी, आतंकवाद और साइबर सुरक्षा जैसे नए और जटिल संकटों का भी सामना कर रही है। पिछली सदी में बनाए गए संस्थान जवाब देने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष ने लिया महाकाल का आशीर्वाद

उज्जैन। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल ने गुरूवार को उज्जैन पहुंचकर बाबा महाकाल के दर्शन-पूजन कर प्रदेशवासियों के सुख एवं समृद्धि की कामना की है। इस दौरान प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी, प्रदेश शासन के मंत्री श्री गौतम टेटवाल, सांसद श्री उमेशनाथ महाराज, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री जीतू जिराती, प्रदेश सह कोषाध्यक्ष व विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, महापौर श्री मुकेश टटवाल, उज्जैन जिला अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल एवं ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्री राजेश धाकड़ उपस्थित रहे।

उत्तराखंड- तेज बारिश के चलते चारधाम यात्रा रोकी गई

मंडला- शिवपुरी में बाढ़ जैसे हालात, अटल सागर डैम के गेट खुले

भोपाल ■ ब्यूरो

मध्यप्रदेश में बारिश का दौर जारी है। गुरुवार को प्रदेश के करीब 20 जिलों में पानी गिरा। मंडला और शिवपुरी में तो कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। शिवपुरी में अटल सागर डैम के दो गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को रीवा, छतरपुर के खजुराहो और दतिया में पौन इंच, मंडला-शिवपुरी में आधा इंच बारिश दर्ज की गई। वहीं, भोपाल, बैतूल, गुना, ग्वालियर, इंदौर, श्योपुर, दमोह, जबलपुर, सतना, सीधी, उमरिया, बालाघाट, धार, मऊगंज, शाजापुर, देवास, आगर-मालवा समेत 20 से ज्यादा जिलों में रिमझिम बारिश का दौर जारी रहा। वहीं उत्तराखंड में तेज

बारिश को देखते हुए चारधाम यात्रा को अस्थाई रूप से रोक दिया गया है। CM पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जब यात्रा मार्ग श्रद्धालुओं के लिए पूरी तरह से सुरक्षित होगा, तभी आगे यात्रा शुरू की जाएगी। उत्तराखंड में केदारनाथ मार्ग पर बुधवार रात सोनप्रयाग के पास लैंडस्लाइड हुई और रास्ता बंद हो गया। इस दौरान 40 श्रद्धालु फंस गए। SDRF की टीम मौके पर पहुंची और सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। मौसम विभाग ने आज राजस्थान-मध्य प्रदेश समेत 11 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में पिछले 4 दिन से बारिश का दौर जारी है। बुधवार को भारी बारिश के बाद अजमेर शरीफ दरगाह परिसर में 2 फीट पानी भर गया।

वहीं, भारी बारिश के दौरान दरगाह परिसर में बने बरामदे की छत का एक हिस्सा भी ढह गया। हालांकि, इस दौरान किसी को चोट नहीं आई। दरगाह कमेटी ने उस हिस्से में लोगो की आवाजाही बंद कर दी है। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने और बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। अब भी 29 लोग लापता हैं। गुरुवार को 2 और शव मिले। खराब मौसम के चलते राहत कार्य में दिक्कत आ सकती है, क्योंकि मौसम विभाग ने कई जिलों में बाढ़ का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने रात में प्रदेश के आधे से ज्यादा हिस्से में बारिश होने का अनुमान जताया है।

जबलपुर में ट्रक और पिकअप में भिड़ंत, तीन लोगों की मौत

जबलपुर ■ ब्यूरो

जबलपुर जिले के बरेला थाना की गौर चौकी अंतर्गत पसरिजा होटल के समीप 12 चक्का ट्रक तथा पिकअप वाहन में सीधी भिड़ंत हो गई। इस घटना में दो व्यक्तियों की घटनास्थल पर मौत हो गई थी। गंभीर रूप से घायल तीन व्यक्तियों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। उपचार के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा के अनुसार जबलपुर से बरेला जा रहे ट्रक तथा बरेला से जबलपुर की तरफ आ रही पिकअप वाहन में सीधी भिड़ंत हो गई थी। इस घटना में तीन व्यक्तियों की मौत हो गई तथा दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। बरेला थाना प्रभारी विनय विश्वकर्मा ने बताया कि घटना दोपहर साढ़े तीन बजे पसरिजा होटल के

समीप घटित हुई। पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 19 जीए 5933 के पीछे मिक्सर मशीन लोड थी और आने तीन लोग बैठे हुए थी। जिसकी सीधी टक्कर सामने से आ रहे 12 चक्का एमपी 15 एच ए 5990 हो गई। इस घटना में पिकअप वाहन में सवार तीन व्यक्तियों में से दो की घटनास्थल पर मौत हो गई तथा एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके अलावा ट्रक में सवार दो व्यक्ति भी घायल हो गए।

प्रदेश की 1.30 करोड़ लाडली बहनों को मिलेगा आवास

भोपाल के बड़े तालाब किनारे से अतिक्रमण हटेगा, मुख्यमंत्री यादव बोले-झुग्गी मुक्त शहर के लिए प्लानिंग करें अफसर

भोपाल ■ ब्यूरो

भोपाल के बड़े तालाब के पास अवैध निर्माण का सर्वे किया जाएगा और वहां के अवैध निर्माण तोड़े जाएंगे। मुख्यमंत्री ने ये निर्देश नगरीय विकास विभाग के अफसरों को दिए हैं। उन्होंने कहा है कि शहरों में झुग्गी बस्तियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नगरीय आवास और विकास विभाग किफायती और सुविधाजनक आवास विकसित करने की कार्ययोजना बनाएगा। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में कॉलोनियों के विकास में देश के प्रतिष्ठित बिल्डर्स और कॉलोनाइजर्स को जोड़ा जाए। शहरी इलाकों की एक करोड़ 30 लाख लाड़ली बहनों को आर्थिक सहायता के साथ आवास दिए जाएंगे। यह निर्णय गुरुवार को समत्व भवन में हुई बैठक में लिया गया। नगरीय विकास विभाग के कामों की समीक्षा करते हुए सीएम डॉ. यादव ने कहा कि झुग्गी-बस्तियों को कंट्रोल करने के लिए लोगों की सामाजिक-आर्थिक परिस्थिति का आकलन करें और किफायती, सुविधाजनक

आवास सुविधा विकसित करने कार्ययोजना बनाई जाए। नगरीय इलाकों में पार्कों को विकसित करने और विकास प्राधिकरण, हाउसिंग बोर्ड सहित सभी आवासीय परियोजनाओं में पौधरोपण को प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के बड़े तालाब के आसपास अवैध निर्माण का सर्वेक्षण कराकर कार्रवाई के लिए अभियान चलाया जाए।

धर्मस्थलों पर दीनदयाल रसोई योजना पर करें फोकस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धार्मिक क्षेत्रों में दीनदयाल रसोई योजना के विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्य में सरकारी मदद के साथ स्वंयसेवी संस्थाओं और निजी दानदाताओं की मदद ली जाए। शहरी क्षेत्रों में स्थानीय समुदाय के स्वसहायता समूह तैयार कर उन्हें आधुनिक लांड्री शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता और उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराया जाए।

धार्मिक व पर्यटन शहरों के लिए इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट प्लान

बैठक में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि धार्मिक एवं पर्यटन शहरों के विकास में एकीकृत विकास की योजना तैयार की जा रही है। चित्रकूट नगर में 2800 करोड़ रुपए की कार्य-योजना तैयार की गई है, जिसमें नगरीय विकास विभाग द्वारा 800 करोड़ रुपए का विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है। प्रदेश में रीडेंसीफिकेशन परियोजनाओं की संभावना को देखते हुए हाउसिंग बोर्ड को निर्देश दिए गए हैं।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका पदों के लिए 2.70 लाख आवेदन प्राप्त

आवेदन कि अंतिम तिथि 4 जुलाई निर्धारित, चयन प्रक्रिया में तेजी

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु जारी की गई ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिल रही है। विभाग द्वारा 19 जून 2025 को जारी विज्ञापन के तहत कुल 19,504 पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है, जिसमें अब तक 2,70,152 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। भर्ती प्रक्रिया में दस संभागों से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए 55,730 और आंगनवाड़ी सहायिका के लिए 2,14,422 आवेदन प्राप्त हुए हैं। आवेदन प्रक्रिया की अंतिम तिथि 4 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है,

जबकि भरे गए आवेदन में सुधार की अंतिम तिथि 7 जुलाई 2025 है। उल्लेखनीय है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के कुल 19 हजार 504 पदों की पूर्ति के लिए इंदौर संभाग से सबसे अधिक 47 हजार 116 आवेदन प्राप्त हुए हैं जिन में 38 हजार 601 सहायिका के पद और 8 हजार 515 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद के लिए आवेदन प्राप्त हुए है। जबलपुर संभाग से कुल 44 हजार 258 आवेदन में से 34 हजार 317 सहायिका के और 9 हजार 941 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के आवेदन प्राप्त हुए है। सागर संभाग से 33 हजार 513 में से सहायिकाओं के पद के लिए 27 हजार 857 और कार्यकर्ता के लिए 5 हजार 656 आवेदन आए है। भोपाल में कुल 28 हजार 850 आवेदन प्राप्त हुए है। इनमें सहायिका के पद के लिए 22 हजार 397 और कार्यकर्ता के लिए 6 हजार 453 आवेदन प्राप्त हुए है। इसी प्रकार रीवा से 28 हजार 519 कुल आवेदन प्राप्त हुए है जिनमें 23 हजार 831 आवेदन सहायिका के और 4 हजार 688 आवेदन कार्यकर्ता के लिए प्राप्त हुए है। ग्वालियर संभाग के 28 हजार 413 आवेदनों में सहायिका के 22 हजार 73 और कार्यकताओं के 6 हजार 340 आवेदन प्राप्त हुए है। उज्जैन संभाग से कुल 24 हजार 159 आवेदनों में से सहायिका के 18 हजार 711 और कार्यकर्ता के 5 हजार 448,चम्बल संभाग के कुल 14 हजार 829 आवेदनों में 12 हजार 343 सहायिका के और 2 हजार 486 आवेदन कार्यकर्ता के पद के लिए प्राप्त हुए है इसके अतिरिक्त शहडोल संभाग से कुल 10 हजार 406 आवेदन प्राप्त हुए है जिनमे 7 हजार 291 सहायिका और 3 हजार 115 कार्यकर्ता के पद के लिए प्राप्त हुए है नर्मदापुरम से सहायिका के पद के लिए 7 ,001 और कार्यकर्ता के लिए 3088 कुल 10 हजार 89 आवेदन प्राप्त हुए है।

ब्रीफ न्यूज़

यातायात पुलिस ने की 18 दिनों में 863 वाहन चालकों पर कार्रवाई

भोपाल। राजधानी में विगत दिनों स्कूली वाहनों की जांच के लिए चलाए गए विशेष अभियान के तहत 18 दिनों में यातायात पुलिस ने 863 वाहनों के चालक और परिचालकों पर कार्रवाई की है। इस दौरान संबंधित वाहन चालकों से करीब साढ़े 4 लाख रुपये से ज्यादा का जुमार्ना भी यातायात पुलिस ने वसूला है।
यातायात पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार विगत दिनों 13 मई से लेकर 31 मई के दौरान स्कूली बसों को लेकर विशेश जांच अभियान चलाया गया था। इस अभियान के तहत 863 वाहनों पर कार्रवाई कर 453500 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। इसके तहत जोन वन में 123, जोन 2 में 363, जोन 4 में 146 बस चालकों और परिचालकों पर कार्रवाई की गई है। इनमें 5 वाहन चालकों के पास वैध लाईसेंस नहीं पाया गया। जबकि 52 बसों में अग्निशमन यंत्र नहीं था। वाहन प्रदूषण सर्टिफिकेट 2 के पास नहीं मिला। जबकि 125 स्कूली वाहनों में फर्स्ट एड बाक्स नहीं, टायर फटने संबंध 5 वाहनों पर कार्रवाई की। परिचालक न होने पर 42, बिना नेम प्लेट और बैच के परिचालन करने पर 24 वाहनों के परिचालकों पर कार्रवाई की गई। बिना वर्दी के वाहन चलाने वाले 97 वाहन चालकों और 399 बिना वर्दी के वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई, जबकि बिना नेम प्लेट बैच के 108 चालक पाए गए, जिनसे निर्धारित राशि में जुमार्ना वसूला गया।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ अंतिम तिथि 29 जुलाई

भोपाल। जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा झ 2026 के कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए आवेदन ऑनलाइन उपलब्ध हैं। वे ही छात्र-छात्राएँ आवेदन के पात्र हैं जो शासकीय, अशासकीय, ई.जी.एस के कक्षा पाँचवी में अध्ययनरत हैं तथा जिनका जन्म 01 मई 2014 से 31 जुलाई 2016 के मध्य हुआ हो। आवेदनकर्ता ने कक्षा तीसरी, चौथी, पाँचवीं में लगातार प्रत्येक पूर्ण सत्र में अध्ययन किया हो तथा एक ही कक्षा में पुनरावृत्ति न की हो। विद्यालय में छात्र, छात्राओं को शिक्षा, आवास, भोजन, यूनिफॉर्म, पाठ्य-पुस्तक एवं दैनिक उपयोग की वस्तुएँ नि:शुल्क प्रदान की जाती हैं। जिसके अतिरिक्त नवीन शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत छात्र, छात्राओं को कम्प्यूटर, इंटरनेट, स्मार्ट क्लास की सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। चयन परीक्षा 13 दिसम्बर 2025 शनिवार को आयोजित होगी। चयन परीक्षा के आवेदन केवल ऑनलाइन भरे जाएँगे। आवेदन की वेबसाइटें एवं से आवेदन फॉर्म भरे जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय, रातीबड़, भोपाल के कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन भरने की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2025 है। अधिक जानकारी के लिए 0755-2896325, 9584359571 पर संपर्क किया जा सकता है।

युवकों ने मचाया उत्पात घरों के बाहर खड़े वाहनों में लगाई आग

भोपाल। राजधानी में उत्पाती युवकों ने एक बार फिर से रात के समय गाडियों को निशना बनाया है। बदमाशों ने 12 नंबर स्थित मल्टी में वाहनों में आग लगा दी। माना जा रहा है कि रंजिश के चलते घटना को अंजाम दिया गया है। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद प्रकरण तो दर्ज कर लिया है, लेकिन आरोपियों के बारे में कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 12 नंबर मल्टी में रात करीब 12.45 बजे आधा दर्जन से ज्यादा युवक अलग-अलग गाडियों से आए। यहां आने के बाद उन्होंने घरों के बाहर और पार्किंग में खड़े वाहनों में आग लगा दी। आग की लपटें उठती देख मोहल्ले वालों की नींद खुल गई और उन्होंने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर अमला और स्थानीय लोगों ने गाडियों में लगी आग को बुझाया। बताया जाता है कि मोहल्ले में कुछ घरों में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, जिसमें वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश कैद हो गए हैं। चूंकि अभी तक पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की है, इसलिए पुलिस ने सीसीटीवी फुटेजों को नहीं देखा है। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है और मामले में एफआईआर भी दर्ज की जाएगी। आगजनी में गाडियों पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। गौरतलब है कि हबीबगंज और कमलानगर इलाके में रात के समय वाहनों में आग लगाने की घटनाएं लंबे समय से हो रही हैं।

यह भोपाल हैं जरा संभल कर चले...

सड़क के गड्ढों के लिए गजब का एप, 7800 शिकायतें आईं और तुरंत हो गई मरम्मत

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

मध्यप्रदेश में यदि आप सड़क के गड्ढों से परेशान हैं तो तुरंत अपने मोबाइल पर यह एप डाउनलोड कर लीजिए। इस एप पर शिकायत भेजते ही सड़क की मरम्मत कर दी जाएगी। लोक निर्माण विभाग द्वारा यह लोकपथ मोबाइल ऐप विकसित किया गया है जिसने अपनी पहली वर्षगांठ भी पूरी कर ली है। बुधवार को लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने आंकड़ों से इस एप की सा?र्थकता प्रतिपादित की। उन्होंने बताया कि एप पर 7800 शिकायतें आईं जिनमें से अधिकांश का तुरंत समाधान कर दिया गया। भोपाल के हमीदिया रोड पर चल कर देखे एक बार आपको सब कुछ हकीकत पता चल जाएगी कि कैसे है राजधानी की सड़क ओर यातायात घंटों जाम में फंसे रहोगे कोई शिकायत सुनने वाला नहीं

अल्पना टॉकीज से भारत टॉकीज चौराहा तक चार लाइन में रोज लगा रहता हैं जाम ओर गड्ढे ही गड़े गड्ढों में भरे बारिश के पानी को इंजन से खाली करना पड़ रहा हे जरा संभल कर इस रोड़ पर चले। एमपी में लोकपथ ऐप की शुरूआत 2 जुलाई 2024 को विधानसभा परिसर में की गई थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसका शुभारंभ किया था। ऐप ने अपने पहले ही वर्ष में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। 1.5 लाख नागरिकों द्वारा ऐप को डाउनलोड किया जा चुका लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि अब तक इस ऐप पर 7800 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं हैं। इनमें से 95 प्रतिशत से ज्यादा शिकायतों का त्वरित समाधान कर दिया गया। करीब 1.5 लाख नागरिकों द्वारा ऐप

को डाउनलोड किया जा चुका है। ऐप की सफलता पर मंत्री राकेश सिंह ने विभागीय अधिकारियों को बधाई देते हुए लोकपथ ऐप को जनभागीदारी आधारित डिजिटल गवर्नेंस का प्रभावी उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि आने वाले साल में ऐप के 5 लाख डाउनलोड सुनिश्चित करने का लक्ष्य है। अमिताभ बच्चन ने इस एप से संबंधित प्रश्न पूछा लोकपथ ऐप को राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली। कौन बनेगा करोड़पति जैसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम में अभिनेता अमिताभ बच्चन ने इस एप से संबंधित प्रश्न पूछा था।

गड्ढों का फोटो ऐप पर अपलोड करें, मिलेगा समाधान बारिश में बिगड़ गई सडकों की हालत

निप्र/भोपाल। मप्र में बारिश की शुरूआत के साथ सडकों पर होने वाले गड्ढे लोगों का बुरा हाल करने लगे हैं। लेकिन अब खराब सडक और गड्ढों से बचने के लिए आप लोकपथ ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं। खराब सडकें अक्सर परेशानियों के साथ भीषण दुर्घटनाओं का कारण भी बन जाती हैं। ऐसे में आम लोगों और राहगीरों के सामने यह सवाल होता है कि खराब हुई सडक और गड्ढों की शिकायत आखिर किससे करें तो लोकपथ ऐप अब इसस समस्या का समाधान लेकर आई है। मप्र सरकार की लोकपथ ऐप से आप अब खराब सडकों की जानकारी दे सकते हैं। लोक निर्माण विभाग की खराब सडकों और गड्ढों की जानकारी लोकपथ ऐप के जरिए अपलोड की जा सकती है, जिससे संबंधित विभाग तुरंत एक्शन ले सकता है।

खराब सडकों की रियल टाइम जानकारी करें अपलोड

सुरक्षित और सुगम यात्रा करना हर राहगीर और वाहन चालक का अधिकार है। खराब सडक या गड्ढों की जानकारी देने के लिए एमपी में लोक निर्माण विभाग द्वारा लोकपथ ऐप की सुविधा दी गई है। इस ऐप पर कोई भी आम नागरिक खराब सडक या सडक पर हुए गड्ढों की जानकारी और फोटो अपलोड कर सकते हैं। खराब सडक की शिकायत आम राहगीर मौके से ही मोबाइल के माध्यम से विभाग को दे सकते हैं।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद का स्थापना दिवस आज

संपूर्ण प्रदेश में स्वैच्छिक पर्व के रूप में मनाया जायेगा

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद का स्थापना दिवस 4 जुलाई 2025 को 'संगच्छध्वम संवदध्वम' की भावना से स्वैच्छिक पर्व के रूप में संपूर्ण प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर मनाया जायेगा। मुख्य आयोजन परिषद के राज्य कार्यालय श्यामला हिल्स पर होगा। स्वैच्छिक पर्व पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का वाचन, परिषद द्वारा बनाई गई लघु फिल्मों का प्रदर्शन और स्वेच्छिकता शपथ के साथ स्वैच्छिकता के क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं का सम्मान होगा। परिषद के नेटवर्क-प्रस्फुटन समितियों/नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि/ सीएमसीएलडीपी के छात्र स्वैच्छिक रूप से प्रदेश में कार्य कर रहे हैं। परिषद राज्य की जन कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और शासकीय अभियानों में जन-सहभागिता सुनिश्चित करने एवं जनता के बीच सेतु का कार्य करती है।

डाकघरों में आईटी 2.0 एप्लीकेशन का रोलआउट

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

डाक विभाग की अगली पीढ़ी के एप्लीकेशन के माध्यम डिजिटल उत्कृष्टता और परिवर्तनकारी पहल के हिस्से के रूप में, उन्नत प्रणाली को भोपाल संभाग में 08 जुलाई से टी.टी नगर मुख्य डाकघर, एम्स, अरेरा हिल्स, अयोध्यानगर, बाग मुगलिया, बंगरसिया, गोविन्दपुरा, एच.ई हॉस्पीटल, आई.बी.डी हालमार्क सिटी, कोकता, कोलार रोड, मिसरोद, आर एस नगर, सत्पुड़ा, शिक्षामंडल, सूरजनगर, त्रिलंगा, यूनिवर्सिटी, विद्या विहार, आनन्दनगर, अवधपुरी, बरखेड़ा एच.ई, कमला नगर, एम.ए.सी.टी, एमपी विधान सभा, एमपी भोज ओपेन यूनिवर्सिटी, नयापुरा कोलार, आर एस मार्केट, राजभवन, रिजनल कॉलेज, शास्त्री नगर, शिवाजी नगर, तुलसी नगर, वल्लभ भवन डाकघरों/उपडाकघरों व इससे सम्बद्ध शाखा डाकघरों में लागू किया जाएगा। इस उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्बाध और सुरक्षित बदलाव को लागू करने के लिए, 7 जुलाई (सोमवार) को एक नियोजित डाउनटाइम निर्धारित किया गया है। इस दिन उपरोक्त डाकघरों में कोई सार्वजनिक लेनदेन नहीं किया जाएगा। सेवाओं का यह अस्थायी निलंबन डेटा माइग्रेशन, सिस्टम सत्यापन और कॉन्फि गरेशन प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए आवश्यक है, जिससे नई प्रणाली सुचारू रूप से और कुशलता से लागू हो सके। अढळ एप्लीकेशन को बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव, तीव्र सेवा वितरण और अधिक ग्राहक-अनुकूल इंटरफेस प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो स्मार्ट, कुशल और भविष्य के लिए तैयार डाक संचालन प्रदान करने के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

एम्स भोपाल में डायरेक्टर की कुर्सी होगी खाली डॉ. अजय सिंह का कार्यकाल अगस्त में होगा पूरा

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

भोपाल एम्स के कार्यपालक निदेशक डॉ. अजय सिंह के अगस्त माह में 3 साल पूरे होने जा रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने उनकी नियुक्ति साल 2022 में तीन साल के लिए की थी। यह कार्यकाल अगस्त माह में पूरा हो रहा है। ऐसे में अब उनके स्थान पर नए डायरेक्टर की नियुक्ति के लिए केंद्र ने आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह पद

प्रतिनियुक्ति, एग्रीमेंट या संविदा के आधार पर भरा जाएगा। डॉ. सिंह को 3 साल के कार्यकाल की बड़ी उपलब्धियां साल 2022-23 के मुकाबले साल 2023-24 में 58.7 फीसदी ज्यादा 58 हजार 762 मरीजों को भर्ती कर इलाज दिया गया। बड़ी सर्जरियां 18.6 फीसदी, रेडियोलॉजी जांच 26.9 फीसदी और लैब टेस्ट 15.4 फीसदी बढ़े। आयुष्मान योजना के जरिए प्रति साल में 42.72 करोड़ रुपए क्लेम किए गए। प्रति साल साढ़े 10 लाख तक मरीजों की ओपीडी पहुंची। हार्ट ट्रांसप्लांट, किडनी ट्रांसप्लांट, बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसी सुविधाएं शुरू हुईं। इमरजेंसी और ट्रॉमा के मरीजों के लिए 24७7 ऑपरेशन सुविधा शुरू की गई। इमरजेंसी ओपीडी सेवा भी शुरू की गई। आर्टिफिशियल हार्ट व लंग मशीन, नई एडवांस कैथलैब, डेक्सा स्कैन, जीआइ एंडोस्कोपी, कोबास 5800 जैसी मशीनों को इंस्टॉल किया गया। प्रति साल 300 रिसर्च पब मेड में प्रकाशित हुईं। वहीं, हर साल में 155 से ज्यादा प्रोजेक्ट के लिए 60 से 80 करोड़ रुपए का ग्रांट मिला। स्टाफ के खाली 85 फीसदी पद भरे गए। वन हेल्थ, वन स्टेट स्कीम तैयार की गई।

अनुसूचित जाति एवं जनजातीय छात्रावास पंचशील में एनडीआरएफ द्वारा आपदा प्रबंधन विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

भोपाल। सहायक आयुक्त अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग भोपाल के द्वारा संचालित अनुसूचित जाति एवं जनजातीय महाविद्यालय बालक छात्रावास, पंचशील परिसर में एनडीआरएफ की टीम द्वारा गुरुवार को आपदा प्रबंधन के विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर छात्रावासों के छात्राओं एवं उपस्थित स्टाफ को प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता एनडीआरएफ की 11वीं बटालियन के निरीक्षक श्री सत्यजीत सिंह द्वारा की गई। कार्यशाला के दौरान एनडीआरएफ के प्रशिक्षकों द्वारा,सर्प दंश,सीपीआर एवं प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया गया। छात्रों को सीपीआर की प्रक्रिया के बारे में प्रशिक्षण देते हुए इसका अभ्यास भी करवाया गया। बाढ़ एवं भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं में निपटने हेतु मॉकड्रिल का भी आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान काउंसलिंग अधिकारी श्री अमित कुमार अरजरिया ने आपातकालीन घटनाओं और आपदाओं से सतर्क एवं जागरूक रहने का संदेश दिया।

अब मप्र में मंत्रीमंडल विस्तार की अटकलें तेज

मप्र भाजपा के नए अध्यक्ष के साथ जागी दिग्गजों की उम्मीदें

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

पिछले कई महीनों से बेसब्री से मध्यप्रदेश भाजपा अध्यक्ष के चुनाव का इंतजार चल रहा था। हर किसी के मन में यही सवाल था कि वीडी शर्मा के बाद कौन सत्ताधारी दल के प्रदेश अध्यक्ष का पद संभालेगा। वहीं अब कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के बाद जल्द ही मंत्रीमंडल का फिर विस्तार होगा, इससे सीनियर लीडर्स की उम्मीदें फिर जाग गई हैं। दरअसल, जब से प्रदेश में मोहन यादव सरकार बनी है, कई दिग्गजों को सरकार में शामिल ना करके नए नवेले चेहरों को जगह दी गई है। तब से कई सीनियर नेताओं की नाराजगी खुले आम देखने मिल रही है। वहीं कई दिग्गज चुपचाप मंत्रीमंडल में जगह पाने के लिए तिकड़म भी लगा रहे हैं।

इन नेताओं को फिर एक आस: वैसे तो मध्यप्रदेश में लगभग हर अंचल में कई

ऐसे दिग्गज भाजपा नेता हैं, जो मंत्रीमंडल में जगह पाने के लिए इंतजार कर रहे हैं। लेकिन बुंदेलखंड के दिग्गजों को भी मंत्रीमंडल विस्तार का इंतजार है। क्योंकि इन्हें प्रदेश अध्यक्ष के चयन तक इंतजार करने को कहा गया था। इन नेताओं में गोपाल भार्गव, जयंत मलैया और भूपेन्द्र सिंह जैसे दिग्गज नेता शामिल हैं।

मंत्रीमंडल विस्तार के पार्टी ने दिए थे संकेत: मध्यप्रदेश भाजपा अध्यक्ष के चुनाव के साथ मोहन यादव मंत्रीमंडल विस्तार की अटकलें भी तेज हो गई हैं। इन कयासों के पीछे चर्चा है कि पिछले दिनों पार्टी के दिग्गज नेताओं की नाराजगी जब खुलकर सतह पर आने लगी थी, तब संगठन और सरकार ने इन दिग्गजों को मनाने के लिए कहा था कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के बाद मोहन यादव मंत्री मंडल में विस्तार के साथ फेरबदल भी होगा और कई वरिष्ठ नेताओं को तवज्जो मिलेगी। मध्य प्रदेश भाजपा में दिग्गज नेताओं की नाराजगी भारी पड़ रही थी। मुख्यमंत्री मोहन यादव भी इन दिग्गजों को वरिष्ठता के चलते शांत नहीं कर पा रहे थे। हालांकि, पहले पार्टी ने कहा था कि फरवरी तक प्रदेश अध्यक्ष का चयन हो जाएगा, लेकिन नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम पर जुलाई में मुहर लग पाई है।

बुंदेलखंड के दिग्गजों को बेसब्री से इंतजार: वैसे तो पूरे मध्यप्रदेश में भाजपा के कई दिग्गज और वरिष्ठ विधायक मंत्रीमंडल में पद हासिल करने के दावेदार हैं। लेकिन बुंदेलखंड में ये मामला थोड़ा ज्यादा गंभीर है। क्योंकिं यहां पर वरिष्ठ विधायकों की संख्या कुछ ज्यादा है और पिछली सरकारों में इन दिग्गजों के पास भारी भरकम विभाग भी रहे हैं, जिनमें गोपाल भार्गव, जयंत मलैया और भूपेन्द्र सिंह जैसे दिग्गज नेता शामिल हैं। इसके अलावा बृजेन्द्र प्रताप सिंह और ललिता यादव जैसे नाम भी कतार में है। गोपाल भार्गव तो सबसे ज्यादा लगातार 9 चुनाव जीत चुके हैं। वहीं, जयंत मलैया और भूपेन्द्र सिंह बड़े-बड़े विभागों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

बुंदेलखंड में मिला नए चेहरों को मौका: मोहन यादव मंत्रीमंडल की बात करें, तो बुंदेलखंड में एक मात्र कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत हैं, जो सिंधिया खेमे से हैं। इसके अलावा यहां पर कोई भी कैबिनेट मंत्री नहीं है। वहीं दूसरी ओर दमोह से दो राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी और लखन पटेल हैं। तो पन्ना से दिलीप अहिरवार को राज्यमंत्री बनाया गया है।

निगम अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से हटाए अतिक्रमण

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने तथा अवैध निमार्णों को तोड़ने के साथ ही जिला प्रशासन सहित अन्य विभागों को सहयोग देने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्प लाईन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए सड़कों, फुटपाथों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अवैध रूप से लगाई गई जाली, शेड, छप्पर, चबूतरे आदि तोड़े व सब्जी तथा अन्य प्रकार के व्यवसायियों के सामान, भवन निर्माण सामग्री, आवागमन में बाधक कंडम व अन्य वाहन हटाए और ठेले, पान पार्लर, गुमठी, टेबिल, स्टूल आदि जप्त

किए। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने बुधवार को करोंद, महात्मा गांधी मार्केट, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, रॉयल मार्केट, बुधवारा, बैंड मास्टर चौराहा, लेडी हास्पिटल, लिली टॉकीज, रॉयल मार्केट, आशा राम चौराहा, दाता कालोनी, अप्सरा टॉकीज, बैरागढ़ मार्केट, स्टेशन रोड बैरागढ़, कोकता ट्रांसपोर्ट नगर, आनन्द नगर, एम.पी. नगर जोन-1, साकेत नगर, एम्स, टी.टी. नगर, लिंक रोड नंबर 01, 02 एवं 03, 1100 क्वार्टर, अरेरा कालोनी, जवाहर चौक, सरस्वती नगर, डिपो चौराहा, नया बसेरा, नेहरू नगर, कोलार रोड ललिता नगर, डी-मार्ट, पंचमुखी हनुमान मंदिर, बीमाकुंज, सर्वधर्म कालोनी, चूना भट्टी आदि क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए ललिता नगर क्षेत्र से 03 मकानों के सामने अवैध रूप से लगी जाली, करोंद चौराहा क्षेत्र से भवन निर्माण सामग्री, बुधवारा बैंड मास्टर चौराहा क्षेत्र की 06 दुकानों के सामने अवैध रूप से बनाए गए शेड, नया बसेरा नेहरू नगर क्षेत्र में नाली के ऊपर अवैध रूप से बनाए गए चबूतरे, टी.टी. नगर क्षेत्र में अवैध रूप से बने 02 छप्पर सहित अन्य स्थानों से कंडम व अन्य प्रकार के वाहन, ठेले, गुमठी, सब्जी की दुकाने, दुकानों के बाहर रखा सामान आदि को हटवाया और 11 ठेले, 01 पान पार्लर, 01 बड़ी गुमठी, 02 फोल्डिंग टेबिल, 13 स्टूल जप्त किए। निगम अमले ने भवन अनुज्ञा शाखा द्वारा अवैध दुकान एवं छप्पर तोड़ने की कार्यवाही में सहयोग करते हुए साकेत नगर एम्स के पास से 01 अवैध रूप से निर्मित को हटाने की कार्यवाही की।

भाजपा कार्यालय में किया नव निर्वाचित अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं ने स्वागत

भाजपा अध्यक्ष खंडेलवाल बोले- हम सबको मिलकर नया इतिहास गढ़ना है

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

बैतूल से विधायक हेमंत खंडेलवाल को कल मध्यप्रदेश भाजपा का निर्विरोध चुन लिया गया था आज भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं मोल मुलाकता की कार्यरताओं ने भेट कर स्वागत किया ,चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित निर्वाचन समारोह में उन्हें प्रमाण पत्र दिया और फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया था इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष वी.डी. शर्मा समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिलने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और वी. डी. शर्मा ने खंडेलवाल को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने इस मौके पर खंडेलवाल का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके नेतृत्व में संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की उम्मीद जताई। बुधवार को भोपाल में केंद्रीय पर्यवेक्षक एवं केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की उपस्थिति में खंडेलवाल के नाम पर

सर्वसम्मति से मुहर लगाई गई। खंडेलवाल का चयन निर्विरोध रहा, जिसे पार्टी के भीतर अनुशासन और एकजुटता का प्रतीक माना जा रहा है।

इस मौके पर नए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि बीजेपी के इस पर्व की प्रक्रिया पूरी हुई। मैं मानता हूं कि जो दायित्व सौंपा गया है, वो अहम है। इसके पहले 27 प्रदेश अध्यक्षों ने पार्टी को मजबूत किया है।

उन्होंने कहा कि पार्टी को बुलंदियों पर बरकार रखना है, आगे भी ले जाना है। बीजेपी किसी भी कार्यकर्ता को उसकी क्षमता के अनुरूप पद पर बैठाती है। उन्होंने कहा कि विश्व गुरु आज हम नरेंद्र मोदी जी के कारण हैं। अमित शाह, जेपी नड्डा के मार्गदर्शन में हमें काम करना है। पहले एक मिथक था कि हम पांच साल पूरा नहीं कर पाते हैं। शिवराज सिंह चौहान ने इस मिथक को तोड़ा है। वो कल्याणकारी योजनाएं लेकर आए और वो मिथक टूट गया। इस समय सीएम मोहन यादव भी हमारे प्रदेश में रोजगार और उद्योगों को लाने का काम कर रहे हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भाजपा में अनुशासन की बात की। उन्होंने कहा कि पार्टी में अनुशासन बड़ा होता है। सब मिलकर काम करते हैं। इस वजह से यहां पर सभी का सम्मान होता है। भाजपा का परिवार कई वर्षों से कांग्रेस के विरुद्ध झंडा बुलंद करता आया है। और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के सम्मान में कोई कमी नहीं आएगी। भाजपा उनके रग रग में है। हेमंत खंडेलवाल ने ये भी मैसेज देने की कोशिश की पार्टी सर्वोपरी है। उन्होंने कहा कि पार्टी से जो दाएं-बाएं होगा उसको परेशानी होगी। सत्ता और संगठन दोनों मिलकर काम करेंगे।

ई-अटेंडेंस व्यवस्था रास नहीं आ रही मास्साब को, शिक्षकों ने डाउनलोड नहीं किया ऐप

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

मप्र में स्कूलों में शिक्षकों की सौ फीसदी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश भर में एक जुलाई से नया ऐप लांच किया है। हमारे शिक्षक ई-अटेंडेंस ऐप के माध्यम से अब शिक्षकों को अपनी उपस्थिति दर्ज करनी पड़ रही है। लेकिन शिक्षा विभाग का यह निर्णय शिक्षकों को रास नहीं आ रहा है। पहले तो शिक्षकों ने इसका भरपूर विरोध किया, अब आलम यह है कि प्रदेश के करीब आधे शिक्षकों ने अभी तक एप को डाउनलोड ही नहीं किया है। दरअसल, प्रदेश के स्कूलों में लागू ई-अटेंडेंस व्यवस्था से शिक्षक दूरियां बना रहे हैं। पिछले माह निर्देश के बाद भी अभी पौने दो लाख टीचर ऐसे हैं, जिन्होंने अभी तक ऑनलाइन उपस्थिति के लिए ऐप डाउनलोड नहीं किया है। इधर लोक शिक्षण संचालनालय ने स्पष्ट किया है कि टीचर की जितनी दिन की मोबाइल पर अटेंडेंस होगी, उतना ही वेतन बनेगा। प्रदेश में साढ़े चार लाख टीचर और लिपिकीय कर्मचारी हैं। इन सभी को मोबाइल पर ई-अटेंडेंस के लिए ऐप डाउनलोड करना अनिवार्य है।

ऐप पर उपस्थिति के बाद भी वेतन

जून में ही लोक शिक्षण संचालनालय इसके लिए निर्देश दे चुका है। साफ कहा गया था कि 30 जून तक सभी लोक सेवक अपने मोबाइल पर एप डाउनलोड करेंगे, क्योंकि एक जुलाई से इसी पर उपस्थिति भरेगी। पहले दिन मात्र सवा लाख ने ऐप पर उपस्थिति भरी। दूसरे दिन 80 हजार ने। जानकारी के अनुसार अभी पौने दो लाख हजार ही ऐप डाउनलोड कर पाए।

संचालनालय के पास जो रिपोर्ट आई है उसके शिक्षक एवं कर्मचारी हैं, जिन्होंने ऐप लोड नहीं किया है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सख्ती से व्यवस्था का पालन करवाएं। जितने दिन ऐप पर उपस्थिति दर्ज हो उतना ही वेतन निकाला जाए। सभी संकुलों में प्राचार्यों को पत्र के माध्यम से इस विषय में अवगत कराया जाए।

ऑनलाइन अटेंडेंस में दूसरे दिन बिंदुवार समीक्षा की गई। लोक शिक्षण संचालनालय में अधिकारियों ने हर जिलावार इसका फीडबैक लिया। अभी हर सबसे बड़े हायर सेकंडरी स्कूल में अनेक शिक्षक ऐसे है जो ई-अटेंडेंस से जुड़ नहीं पाये है। शहरों की अपेक्षा गांव के टीचर ई-उपस्थिति में आगे है। तकनीकी विशेषज्ञों ने जो सिस्टम तैयार किया है उसमें जिलावार एक्युरेट रिपोर्ट आ रही है। अटेंडेंस के पहले दिन कई जिलों में सर्वर ने परेशान किया। इस समस्या में मंगलवार को दूसरे दिन सुधार हुआ। सोमवार को भोपाल सहित करीब 20 जिलों में सर्वर की समस्या के कारण विलंब से उपस्थिति लग पाई थी। भोपाल में तकनीकी समस्या एक भी स्कूल में नहीं रही। लोक शिक्षण संचालनालय का कहना है कि शुरूआती दौर है, जो-जो खामियां आ रही है उन्हें चिन्हित किया जा रहा है ताकि इनमें जल्दी सुधार आ सके। कमिश्नर लोक शिक्षण संचालनालय शिल्पा गुप्ता का कहना है कि ई-अटेंडेंस बच्चों के हित में है। इसलिए सभी को इस व्यवस्था का पालन करना होगा। जो शिक्षक ऑनलाइन उपस्थिति नही भरेगा, उसका वेतन नहीं बन पाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने की सौजन्य भेंट

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने बुधवार को पार्टी के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदा शर्मा, वरिष्ठ नेता व पूर्व रा'यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी एवं पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री माखन सिंह चौहान के निवास पहुंचकर सौजन्य भेंट की। इस दौरान प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद , प्रदेश शासन के मंत्री गौतम टेटवाल, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री व सांसद गजेन्द्र सिंह पटेल एवं पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी उपस्थित रहे।

सिंदूर का पौधा एवं त्रिशूल लेकर रवाना हुआ मंडल का पांचवां जत्था

भोपाल। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि मंडल के 51 श्रद्धालुओं का पांचवा जत्था सिंदूर का पौधा एवं पवित्र त्रिशूल लेकर अंडमान एसप्रेस से भोपाल स्टेशन से रवाना हुआ। इस जत्थे में भोपाल एवं विदिशा के श्रद्धालु शामिल हैं , जत्थे में 9 महिलाएं भी शामिल हैं । जत्थे नेतृत्व सुमित गिरी एवं अशोक काकडे द्वारा किया जाएगा। भोपाल स्टेशन पर माला पहनकर उनको विदाई देने वालों में मंडल सचिव रिंकू भटेजा, गुड्डू अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, कपिल ग्वाला, मनीष मिश्रा सहित अनेकों मंडल सदस्य उपस्थित थे।

लोकपथ मोबाइल ऐप की सफलता की प्रथम वर्षगांठ पर मंत्री सिंह ने दी बधाई

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

मध्यप्रदेश के लोक निर्माण विभाग द्वारा विकसित लोकपथ मोबाइल ऐप ने अपनी पहली वर्षगांठ के साथ एक सराहनीय उपलधि दर्ज की है। बुधवार को लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में इस अवसर पर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें ऐप के अब तक की सफलता, नागरिकों की भागीदारी और आगामी लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।

ऐप की सफलता पर मंत्री सिंह ने विभागीय अधिकारियों को बधाई देते हुए लोकपथ ऐप को जनभागीदारी आधारित डिजिटल गवर्नेंस का प्रभावी उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्ष में ऐप के 5 लाख डाउनलोड सुनिश्चित करने का लक्ष्य है, जिसके लिए व्यापक जनजागरण और प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाएगा। लोकपथ ऐप को राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली जब 'कौन बनेगा करोड़पति' जैसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम में अभिनेता अमिताभ ब'चन ने इससे संबंधित प्रश्न प्रस्तुत किया। इससे यह स्पष्ट होता है कि मध्यप्रदेश का यह नवाचार अन्य रा'यों के लिए भी एक प्रेरणास्रोत बन चुका है। मंत्री राकेश सिंह ने बैठक में नागरिकों को और अधिक त्वरित सेवा देने के लिए नियमित समीक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें संवेदनशीलता के साथ शिकायतों का निराकरण करना चाहिए। यदि समय सीमा में सड़क की मरमत करना संभव नहीं है तो संबंधित शिकायतकर्ता को दूरभाष पर कारण बताते हुए सुधार में लगने वाले समय की जानकारी देना चाहिए। उन्होंने प्रमुख अभियंताओं को साप्ताहिक समीक्षा अनिवार्य रूप से करने तथा लंबित शिकायतों को लेकर लापरवाह अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा।

हास्य और रहसात्मक नाटक 'इंस्पेटर सिंह शेर' का हुआ मंचन

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

श्यामला हिल्स स्थिति, एल बी टी सभागार में, रिलेशन सोसायटी फॉर रफॉर्मिंग आर्ट एंड लचर भोपाल के कलाकारों द्वारा अर्शिन खान के द्वारा निर्देशित हास्य नाटक 'इंस्पेटर शेरसिंह शेरु' ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। यह नाटक टाम स्टापर्ड के प्रसिद्ध हास्य एकांकी द रियल इंस्पेटर हाउंड' का हिंदी रूपांतरण है, जिसे भारतीय परिवेश और दर्शकों के अनुरूप ढालकर प्रस्तुत किया गया। नाटक की कहानी दो नाट्य समीक्षकों, उत्साही और अवरोधी, के इर्द-गिर्द घूमती है। उन्हें एक नए मर्डर मिस्ट्री नाटक क़ातिल कौन की समीक्षा के लिए आमंत्रित किया जाता है। मंचित नाटक का सेट मालगंज स्थित परमात्मा निवास नामक हवेली है, जो रहस्यमय वातावरण और विचित्र किरदारों से भरा हुआ है। कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब एक लाश के समान पड़ा किरदार, रहस्यमय समीर सान्याल का आगमन और इंस्पेटर शेरसिंह शेरु अपने हवलदार पंसुले के साथ मर्डर मिस्ट्री सुलझाने पहुंचते हैं।

हंसी और रोमांच का अनोखा मेल

नाटक ने दर्शकों को अपने हास्यप्रद संवादों और दिलचस्प घटनाक्रमों से बांधे रखा। पात्रों की व्यक्तिगत उलझनें और नाटक के भीतर नाटक की अनूठी परतें दर्शकों को हंसाते-हंसाते सोचने पर मजबूर कर देती हैं।अर्शिन खान के कुशल निर्देशन और हर किरदार की जीवंत प्रस्तुति ने दर्शकों के दिल में जगह बनाई। परमात्मा निवास का भूल-भुलैया जैसा सेट, हल्के-फुल्के संवाद और रहस्य का समिश्रण, सभी तत्वों ने नाटक को बेहद खास बना दिया। हाल में मौजूद दर्शक ठहाकों और तालियों से कलाकारों की अदाकारी को सराहते नजर आए। नाटक में हास्य और रहस्य का ऐसा ताना-बाना बंधा था कि हर दृश्य दर्शकों को अपनी ओर खींचता रहा।

मंच परः इन कलाकारों की रही भागीदारी, अल्फ़ी हुसैन, दीक्षा धनराज चौहान, आकांक्षा सिंह भदौरिया,अर्शिन खान,मयंक दीक्षित,विकास आर्या,उन्नीत चौरसिया,उमंग चौधरी,रितिक यादव,अमन सोनी डायमंड,दिव्यांश सिंह सेंगर, दर्शन पाण्डेय, जावेद, मदीहा तनवीर, निशा धूमेरिया, परवेज़ खान, शुभम राय, अल्ताफ मूल ले।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान 'एक पेड़ माँ के नाम' पर लगाएगा दो सो पौधे

भोपाल। उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल द्वारा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से दिनांक कल प्रातः 11ः00 बजे से संस्थान परिसर में ÷एक पेड़ माँ के नाम वृहद वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान संस्थान के हरित वसुंधरा क्लब, आई.क्यू.ए.सी, कॉमर्स सोसाइटी एवं अकादमिक समिति के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। संस्थान के शुभचिंतक, वरिष्ठ पर्यावरण प्रेमी एवं समाजसेवक श्री अशोक पटरथ की प्रेरणा व सौजन्य से संस्थान को 200 पौधे भेट किए गए, जिसमे फूलों से लेकर बड़े वृक्ष सम्मिलित है । इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता एवं संवेदनशीलता को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थी वृक्षारोपण कर पर्यावरण सरंक्षण के संकल्प को मजबूत करेंगे।

एम्स भोपाल में विशाल गॉइटर से पीड़ित महिला का सफल ऑपरेशन

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में संस्थान न केवल चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता को निरंतर सशक्त बना रहा है, बल्कि जटिल रोगों के उपचार में भी उत्कृष्टता स्थापित कर रहा है। इसी क्रम में, जनरल सर्जरी विभाग की विशेषज्ञ टीम ने एक 65 वर्षीय महिला का सफल ऑपरेशन कर एक अत्यंत जटिल चिकित्सीय स्थिति में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। यह महिला वर्षों से विशाल गॉइटर की समस्या से पीड़ित थीं, जो हाल के दिनों में गंभीर रूप ले चुकी थी। गॉइटर के अत्यधिक बढ़ने के कारण उन्हें सांस लेने में भारी परेशानी होने लगी थी और उनकी आवाज़ में भी स्पष्ट परिवर्तन आ गया था।

स्वास्थ्य की इस बिगड़ती स्थिति को देखते हुए उन्होंने एम्स भोपाल के जनरल सर्जरी ओपीडी में परामर्श लिया, जहाँ चिकित्सकों ने तुरंत परीक्षण कर उन्हें भर्ती कर लिया। जांचों में सामने आया कि गॉइटर का आकार इतना अधिक बढ़ चुका था कि उसने श्वास नली (ट्रेकिया) सहित गर्दन की अन्य महत्वपूर्ण संरचनाओं पर दबाव डालना शुरू कर दिया था। इससे स्थिति अत्यंत संवेदनशील और जीवन के लिए जोखिमपूर्ण हो गई थी। ऐसे में सर्जरी करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। इस जटिल सर्जरी का सफल नेतृत्व जनरल सर्जरी विभाग के प्रो. (डॉ.) मनीष स्वर्णकार और डॉ. कृष्ण कुमार ने किया। कई घंटों तक चले इस ऑपरेशन के दौरान थायरॉयड ग्रंथि को अत्यंत सावधानीपूर्वक हटाया गया, ताकि आवाज़ की नसें (रिकरेंट लैरिंजियल नर्व) और पैरा-थायरॉयड ग्रंथियाँ सुरक्षित रह सकें। सर्जरी पूरी तरह सफल रही और मरीज अब डॉक्टरों की निगरानी में तेजी से स्वस्थ हो रही हैं।

सम्पादकीय

एससीओ से भारत का दो टूक संदेश आतंकवाद पर वैश्विक मौन अस्वीकार्य आतंक पर दोहरे रवैये को लेकर राजनाथ का प्रहार

चीन के किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की रक्षा मंत्रियों की बैठक इस बार भारत की आक्रामक और स्पष्ट कूटनीतिक रणनीति की स्पष्ट साक्षी बनी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने से जब यह कहते हुए इन्कार कर दिया कि उसमें आतंकवाद जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे को नजरअंदाज कर दिया गया है तो यह भारत का केवल एक औपचारिक विरोध नहीं था बल्कि भारत की सुरक्षा प्राथमिकताओं और कूटनीतिक दृढ़ता का स्पष्ट संकेत था। इस विरोध के जरिये उन्होंने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि भारत अब केवल प्रतीकात्मक भाषणों और कूटनीतिक शिष्टाचारों से आगे बढ़ चुका है। भारत का संदेश दृढ़ है कि आतंकवाद को सामान्य नहीं माना जा सकता। भारत के इस फैसले को चीन और पाकिस्तान के लिए बड़ा कूटनीतिक झटका माना जा रहा है। भारत का यह कदम एससीओ जैसे बहुपक्षीय मंचों पर दोहरे मापदंडों के खिलाफ खासकर उन देशों के लिए एक चेतावनी है, जो आतंकवाद को अपने रणनीतिक हितों के लिए एक औजार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। भारत ने साफ कर दिया कि आतंकवाद के प्रति ह्यजीरो टॉलरेंसह्न की नीति केवल शब्दों तक सीमित नहीं है बल्कि उसके व्यवहार में भी प्रतिबिंबित होती है। भारत का यह कदम पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अलग-थलग करने की रणनीति का हिस्सा तो है ही, चीन को भी यह स्पष्ट संदेश है कि भारत अपने सुरक्षा हितों के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। एससीओ की बैठक में राजनाथ सिंह द्वारा की गई टिप्पणी कि ह्यआतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा हैह्न और ह्यजो देश आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं या उसे पनाह देते हैं, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिएह्न, सीधे तौर पर पाकिस्तान की ओर संकेत था, हालांकि उन्होंने उसका नाम नहीं लिया। दक्षिण एशिया पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के कारण ही दशकों से अस्थिरता और हिंसा से जूझ रहा है और अब भारत इस खतरे को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी मुखरता से उजागर कर रहा है। भारत की इस बार की विशेष आपत्ति पहलगाम हमले को लेकर थी। यह हमला लश्कर-ए-तैयबा की सहायक इकाई ह्यटीआरएफह्न (द रेजिस्टेंस फ्रंट) द्वारा किया गया था, जिसमें 26 निर्दोष नागरिक मारे गए थे। यह हाल के वर्षों का सबसे भीषण आतंकी हमला था। भारत ने एससीओ के मसौदा दस्तावेज में इस हमले का उल्लेख नहीं किए जाने को गंभीर चूक नहीं बल्कि एक सोची-समझी रणनीति माना, जिसके पीछे पाकिस्तान को बचाने की कोशिश साफ दिखती है। भारत का यह रुख अचानक नहीं बना बल्कि यह उस दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें भारत हर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग की बात करता रहा है और दोहरे मानदंडों को उजागर करता रहा है। इससे पहले भी भारत ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) में शामिल होने से इन्कार कर दिया था क्योंकि उसमें चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) को शामिल किया गया था, जो भारत की संप्रभुता का उल्लंघन करता है। एससीओ की स्थापना 2001 में चीन, रूस, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और कजाखस्तान के साथ हुई थी। हालांकि इसकी जड़ें ह्यशंघाई फाइवह्न से जुड़ी हैं, जो 1996 में चीन, रूस तथा तीन मध्य एशियाई गणराज्यों द्वारा सीमा सुरक्षा विश्वास को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया एक समूह है। भारत और पाकिस्तान 2017 में इसके सदस्य बने। इस संगठन का उद्देश्य क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी अभियान, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक संवाद था परंतु बीते वर्षों में यह मंच धीरे-धीरे चीन और पाकिस्तान के राजनीतिक एजेंडे का उपकरण बनता गया है। आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दों पर इस संगठन की चुप्पी उसकी प्रासंगिकता पर प्रश्नचिन्ह लगा रही है। इस बार के संयुक्त घोषणापत्र में ब्लूचिस्तान में कथित आतंकी घटनाओं का उल्लेख तो किया गया लेकिन पहलगाम जैसे जघन्य हमले को अनदेखा किया गया। भारत ने इसे पाकिस्तान के आरोपों को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर वैधता देने की साजिश बताया। ब्लूचिस्तान में विद्रोही गतिविधियां वहां के लोगों की आत्मनिर्णय की मांग से जुड़ी हैं, जिन्हें पाकिस्तान भारत-प्रायोजित आतंकवाद कहकर गुमराह करने की कोशिश करता है। चीन, जो सीपीईसी के माध्यम से ब्लूचिस्तान में भारी निवेश कर रहा है, पाकिस्तान के इन दावों का समर्थन करता रहा है। यही कारण है कि भारत को इस घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने से स्पष्ट इन्कार करना पड़ा। यह पहली बार नहीं है, जब भारत ने एससीओ में ऐसा सख्त रुख अपनाया हो। बिश्केक (2019) और अस्ताना (2024) में भी भारत ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि आतंकवाद पर कोई समझौता नहीं हो सकता। हालांकि उस समय भारत ने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे परंतु इस बार की परिस्थिति अलग थी। इस बार एक ऐसा हमला हुआ था, जिसमें निर्दोष नागरिकों की जान गई और उसे एससीओ की बैठक में पूरी तरह अनदेखा कर दिया गया। भारत का यह कड़ा रुख केवल एससीओ तक सीमित नहीं है। हाल ही में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों को निशाना बनाते हुए हवाई हमले किए। भारत का यह स्पष्ट संदेश था कि अब वह आतंकवाद के केंद्रों को उनकी सीमा में घुसकर खत्म करने से भी नहीं हिचकिचाएगा। यह संदेश भी चीन और पाकिस्तान के लिए था कि भारत अब केवल शब्दों में नहीं बल्कि कार्यों में भी आक्रामक कूटनीति अपना रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीनी रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान भी स्पष्ट किया कि विश्वास-निर्माण तभी संभव है, जब चीन एलएसी पर अतिक्रमण की अपनी नीतियों को छोड़े और भारत की सुरक्षा चिंताओं को गंभीरता से ले। दोनों पक्षों ने सैन्य हॉटलाइन बहाल करने पर विचार किया लेकिन भारत ने यह भी जता दिया कि यह केवल दिखावटी बातचीत नहीं होनी चाहिए। भारत के इस सख्त रुख का एक और आयाम है, बिना उलझाव के संरेखण की नीति। भारत न किसी गुट का हिस्सा बनना चाहता है, न किसी के हितों का औजार। वह केवल अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर बहुपक्षीय मंचों पर भाग लेता है और किसी भी ऐसे दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं करता, जो उसकी संप्रभुता, सुरक्षा या वैचारिक सिद्धांतों से टकराव रखता हो। यह नीति भारत को एक स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और रणनीतिक रूप से परिपक्व राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करती है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत वैश्विक समर्थन जुटाने की दिशा में भी काम कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध समिति में भारत लगातार मांग करता रहा है कि लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और टीआरएफ जैसे संगठनों को ब्लैकलिस्ट किया जाए। चीन ने कई बार तकनीकी आपत्ति लगाकर इन प्रयासों को विफल किया है लेकिन भारत ने अपने प्रयासों को कभी धीमा नहीं किया। एससीओ की इस बार की बैठक का सबसे बड़ा संदेश यही है कि भारत अब ह्यसामूहिक सहमतिह्न की कीमत पर अपने ह्यराष्ट्रीय हितोंह्न की बलि नहीं चढ़ाएगा। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक आतंकवाद को पनाह देने वाले देशों को नाम लेकर नहीं लताड़ा जाएगा, तब तक कोई संयुक्त घोषणापत्र केवल कागज का एक टुकड़ा ही रहेगा। भारत के लिए यह रुख न केवल सम्मान का विषय है बल्कि वैश्विक मंचों पर उसकी विश्वसनीयता और नेतृत्व क्षमता को भी बढ़ाता है। आज भारत को वैश्विक मंचों पर सुना जा रहा है क्योंकि वह केवल बातें नहीं करता बल्कि अपने रुख पर अडिग भी रहता है।

बेरहम बरसात का कहर खौफनाक मंजर कब थमेगा

लेखक- नरेन्द्र भारती

बेरहम बरसात हिमाचल को गहरे व अमिट जख्म दे रही है जख्म तो भर जाएंगें मगर निशान अमिट रहेंगे। हिमाचल मे किन्नौर से लेकर भरमौर तक बरसात का कहर जारी है । 56 लोग लापता हैं और 19 लोगों की मौत हो चुकी है सैंकडों लोग असमय ही काल के गाल में समा गए।देवभूमि में प्रकृति ने काफी खौफनाक तांडव हो रहा है ' कुल्लू के बंजार मे 250 सैलानी को सुरक्षित निकाल दियाँ ' प्रदेश में.245 सड़के बंद हो चुकी हैं और 918 बिजली के ट्रांसफार्मर ध्वत हो चुके हैं 683 पेयजल योजनाएं तबाह हो गई हैं 'जून महीने से ही यह बरसात शुरू हो गई है ।बरसात ने खौफनाक रौद्र रुप दिखा रही है ।बरसात जिंदगियां लील रही है ।सैंकडों. लोग मौत के आगोश में समा चुके है ।आशियाने जमींदोज हो रहे हैं। 30 जून 2025 की काली और खौफनाक रात को गोहर के सयाँज मे बादल फटने से परिवार के नौ लोग जमीदोज हो गए हैं ' करसोग मे भी तीन लोगों की मौत हो गईं है चारों तरफ तबाही की इबारत लिखी जा रही है अभी तो जुलाई और अगस्त महीने मे पता नहीं कितने लोगों को प्रकृति मौत की गोद सुला देगी प्रकृति के इस खौफ से जनमानस खौफजदा है 'कुल्लू के सेंज गाँव मे चार दिन पहले बादल फटा था जिसमें बाप बेटी की दर्दनाक मौत हो गई थी ' गत वर्ष 26 सितबर को रोनहाट में आधी रात को भूस्खलन होने से एक घर दब गया और उसमें छह लोगों की मौत हो गई थी दबने वालों में चार बच्चे व पति पत्नी थे। यह बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ।24 घंटों में 16 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।20 अगस्त 2022 की रात को हिमाचल के लोग कभी नहीं भूल पाएंगें।20 अगस्त को मंडी के गोहर के काशान में एक मकान जमींदोज हो गया था जिसमें एक ही परिवार के आठ लोग जिंदा दफन हो गए थे।एक घर से जब आठ अर्थियां उठी थी तो कायनात कांप उठी थी। बरसात का ऐसा कहर 2018 में हुआ था ।चार साल बाद बरसात ने लोगों को एक बार फिर रौद्र रुप दिखाकर तबाही का मंजर दिखाया ।बरसात में कहीं भूस्खलन हो रहा था तो कहीं पहाड़ द्ररक रहे थे ।इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा था। प्रदेश की संडकें धंस रही थी ।गांड़ियां फिसल रही थी ।भांबला में खुडडी नाला में एक युवक तेज बहाव में बह गया था मगर लोगों ने बह रहे युवक को 200 मीटर दूर बचा लिया था ।युवक की स्कूटी नाले में बह गइ र्थी ।आनी में भी भूस्खलन से श्रध्द्धालुओं की कार पर पत्थर गिरने से हादसा हो गया भूस्खलन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और तीन लोग घायल हो गए थे ।मवेशी व बकरियों की दबने से मौतें हो रही है ।गौशाला गिरने से 2 मवेशियों व 20 बकरियों की दर्दनाक मौत हो गइ र्थी। मणिकर्न में पिछले दिनों बादल फटने से काफी तबाही हुई थी कुछ लोग लापता हो गए थे ।मानसून का कहर लोगों को मौत बांट रहा है। हिमाचल प्रदेश को अब तक करोडों.का नुक्सान हो चुका है ।मानसून के कारण हुई दुर्घटनाओं में अब तक काफी लोग अपनी जान गंवा चुके है व लोग घायल हुए हैं ।मौतों से हर हिमाचली गमगीन है। भूस्खलन व बरसात के कहर से प्रदेश में अब तक काफी लोग मारे जा चुके हैं ।गत वर्ष 25 जुलाई को किन्नौर जिला में भूस्खलन की चपेट में आने के कारण 9 पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई थी जबकि तीन गभीर रुप से घायल हो गए थे ।चार दिन पहले भरमौर में भी भूस्खलन के कारण कार दब गई भी और एक ही परिवार के चार लोग मारे गए थे ।बारिश की तबाही से अब तक दो दर्जन लोगों की जान जा चुकी है और यह कहर जारी है। गत वर्ष भी ऐसे हादसों से हिमाचल में तबाही हुई थी ।गत वर्ष शिमला में भूस्खलन होने से 4 लोगों की दबकर मौत हो गई थी और कुमारसैन में दो मजदूरों की मौत हो गइ र्थी ।नालागढ़ में भी मकान पर डंगा गिरने से 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गइ र्थी ।गत वर्ष लाहौल स्पीति में करीब 2000 पर्यटक फंसे थे ।प्रदेश में हर जिला में लोगों के कच्चे व पक्के मकान जमींदोज हो रहे है ।कुल्लु ,मण्डी व किन्नौर में भी काफी नुक्सान हुआ है ।प्रकृति ने एक बार फिर अपना तांड़व मचाया है। कही फिर से पहाड़ का मलवा न आ जाए लोग खौफ के साए में राते काट रहे हैं। इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं ।बरसात में प्रदेश में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैंकडों पशुओं की दबकर मौत हो गइ र्थी ।दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोडों की संपति तबाह हो गई। पहाड के मलवे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुक्सान हो रहा है ।प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते है लाशे मलवे में दफन हो गई है ।किन्नौर में पहाड़ दरकने से लोग खौफजदा हैं ।कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं ।कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है ।देश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है ।हर राज्य में बरसात से त्रासदी हो रही है। भीषण बाढ़ के चलते आधे से ज्यादा इस बारिश.में अब तक दर्जनों लोगों की असमय मौत हो चूकी है। हिमाचल में भी बरसात का कहर रौद्र रुप दिखा रहा है। पिछले साल बिलासपुर में भी एक पहाड़ी के दरकने से लोग बाल-बाल बच गए थे ।अगर यह मलवा लोगों पर गिरा होता तो न जाने कितने घरों के चिराग बूझ जाते ।इससे पहले 2017वर्ष की12 अगस्त की रात को कोटरोपी में प्रकृति ने अपना रौद्र रुप दिखाकर ऐसी खौफनाक तबाही मचाई थी की रौंगटे खडे हो गए थे कोटरोपी में हुए इस हादसे ने पूरे हिमाचली समुदाय को झझकोर दिया था ।पल भर में लाशों के ढेर लग गए लाशों का ढांपने के लिए कफन कम पड़ गए थे ।मौत का यह मंजर सदियों तक याद रहेगा। 12 अगस्त 2017 काली रात को कोटरोपी में प्रकृति का कहर सैकडों अनमोल जिंदगियां लील गया था ।पठानकोट -मंडी नेशनल हाईवे 154 के कोटरोपी में चलती बसों पर पहाड़ गिरने से 48 लोगों की दर्दनाक मौत से हर हिमाचली गमगीन था।12 अगस्त की काली रात को प्रकृति ने ऐसा कहर मचाया की पल भर में यात्रियों को मौत की नींद सुला दिया था ।यात्रियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि कोटरोपी में मौत उनका इंतजार कर रही है ।पहाड़ गिरने से चंबा से मनाली तथा मनाली से कटडा.जा रही दो बसें दब गई थी। सैंकडों यात्री जमीदोज हो गए। बसों में लाशे क्षत-विक्षत हो चुकी थी तथा टुकडों में तब्दील हो चुकी थी ।चारों तरफ चीखो पुकार मची हुई थी लोग अपनों को बदहवाश होकर ढूढ रहे थे मगर उनके सगे-संम्बधी चिर निंद्रा में सो चुके थे ।हर तरफ लाशें दफन हो चुकी थी। प्रकृति ने ऐसी तबाही मचाई कि जीते जागते इंसान चिथडों में बदल गए तबाही का ऐसा मंजर बहुत ही भयानक था जिसे लोग ताउम्र नहीं भूल सकते आखों के सामने देखते ही देखते लोग मौत के आगोश में समा गए बसें जमीदोज हो गई थी । 46 शव निकाले गए थे। पहाड़ के मलवे से लोगों के आशियाने धरासाही हो गए थे गनीमत रही की किसी की जान नहीं गइ थी ।अभागे यात्री अपने गतब्व पर पहुचने से पहले ही हादसे का शिकार हो गए थे ।उनका सफर कोटरोपी में खत्म हो गया था। 12 अगस्त की काली रात प्रदेश वासियों को कभी नहीं भूलेगी ।इस हादसे में कुल्लु की महिला ने अपने तीन बच्चे खो दिये थे वे अपने दादा के पास चंबा गए थे। देश में कभी भूकंप, तो कभी बाढ़ जैसी आपदाएं अपना जलवा दिखाती है तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है ।लोग प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता समय-समय पर भीषण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते ।हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातो को भूला दिया जाता है।

संवेदना से सशक्तिकरण तक: भारतीय नारी की विकास-यात्रा !

लेखिका-सोनम लववंशी

भारत की आत्मा नारी शक्ति में बसती है। एक सशक्त नारी सिर्फ परिवार नहीं, पूरी पीढ़ियों का भविष्य गढ़ती है। बीते 11 वर्षों में जब भारत ने तेजी से तरक्की की दिशा में कदम बढ़ाए, तब केंद्र में महिलाओं को सिर्फ लाभार्थी नहीं, विकास की भागीदार बनाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शासन की दिशा और दृष्टि में एक मौलिक परिवर्तन हुआ। महिलाओं को ह्यवोट बैंकह्न नहीं, ह्यविकास भागीदारह्न माना गया। यह बदलाव नीतियों में भी दिखा, और जमीनी सच्चाई में भी। सबसे पहले बात गरिमा की करें तो 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण महज स्वच्छता अभियान नहीं था, यह महिलाओं की अस्मिता और सुरक्षा की रक्षा थी। वर्षों से गांव की महिलाएं सूरज डूबने और उगने के समय का इंतजार करती थीं, अब उनके लिए हर घर में सम्मान की जगह बनी। उज्ज्वला योजना के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली। यह सिर्फ एलपीजी कनेक्शन नहीं था, यह स्वास्थ्य, समय और सुरक्षा की सौगात थी। एक मां अब बिना जलन के, बिना खांसी के, बच्चों के लिए खाना बना सकती है। यह बदलाव दिखाई भी देता है और महसूस भी होता है। जहां गरिमा है, वहां आत्मविश्वास पनपता है। मोदी सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए जन-धन योजना के तहत करोड़ों बैंक खाते खोले। इन खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण से महिलाओं के हाथ में पहली बार सीधा पैसा आया। यह बदलाव सिर्फ खाते में रकम आने तक सीमित नहीं रहा, इससे महिलाओं को घर की आर्थिक गतिविधियों में हिस्सेदारी मिली। वे अब निर्णयकर्ता बनीं, न कि सिर्फ दर्शक। महिलाओं के लिए स्वरोजगार और उद्यमिता के रास्ते भी खोले गए। मुद्रा योजना के अंतर्गत 70 फीसदी से अधिक ऋण महिलाओं को दिए गए। छोटे-छोटे व्यवसायों, कुटीर उद्योगों और सेवाओं में महिलाओं ने अपने कदम जमाए। वे अब दुकानदार, कारीगर, बुटीक मालिक, सब्जी विक्रेता ही नहीं, स्टार्टअप की नींव रखने वाली नई पीढ़ी बन चुकी हैं। यह आर्थिक सशक्तिकरण एक सामाजिक क्रांति की बुनियाद है। शिक्षा के मोर्चे पर ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्न महज एक नारा नहीं रहा, यह एक सामाजिक चेतना का आंदोलन बना। हरियाणा जैसे राज्यों में जहां बालिका जन्म अनुपात बेहद खराब था, वहां सुधार के स्पष्ट संकेत मिले। स्कूलों में लड़कियों की भागीदारी बढ़ी। उच्च शिक्षा, इंजीनियरिंग, मेडिकल और रक्षा सेवाओं तक बेटियों की पहुंच बढ़ी। जब बेटियां आसमान छूने लगती हैं, तभी राष्ट्र की उड़ान संभव होती है। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान पर भी सरकार ने अनेक संवेदनशील निर्णय लिए। तीन तलाक पर कड़ा कानून बनाकर करोड़ों मुस्लिम बहनों को एक ऐतिहासिक अन्याय से मुक्त किया गया। यह फैसला सिर्फ कानूनी नहीं था, यह सामाजिक साहस और संवेदनशीलता का प्रतीक था। महिला हेल्पलाइन, वन स्टॉप सेंटर, फास्ट ट्रैक कोर्ट्स, और साइबर सुरक्षा के अभियान यह दिखाते हैं कि सरकार संवेदना के साथ, संकल्प से काम कर रही है। राजनीति और नेतृत्व में भी महिलाओं को आगे लाने की प्रतिबद्धता को पूरी गंभीरता से निभाया गया। संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण के लिए महिला आरक्षण बिल पास हुआ। यह लोकतंत्र में नारी भागीदारी का नया अध्याय है। आज देश की राष्ट्रपति एक आदिवासी महिला हैं, जो इस बदलाव की सबसे बड़ी प्रतीक हैं। ग्राम पंचायतों से लेकर संसद तक, महिलाओं की आवाज पहले से अधिक सशक्त और निर्णायक हुई है। सरकारी योजनाओं की डिलीवरी व्यवस्था में भी महिलाओं को केंद्र में रखा गया। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से लाखों ग्रामीण महिलाओं को सशक्त किया गया। ये समूह अब केवल बचत या ऋण की सीमाओं में नहीं हैं। वे डेयरी, कृषि, बागवानी, जैविक उत्पादों, सिलाई और डिजाइनिंग जैसे क्षेत्रों में कार्यरत हैं। ये महिलाएं अब अपने गांव की अर्थव्यवस्था का इंजन बन चुकी हैं। सखी मंडलों ने ग्रामीण भारत में महिला नेतृत्व का नया मानक गढ़ा है। डिजिटल इंडिया ने भी महिला सशक्तिकरण की गति को तेज किया है। स्मार्टफोन, डिजिलॉकर, भीम ऐप और डिजिटल पेमेंट के जरिए महिलाएं तकनीक के साथ कदमताल कर रही हैं। ई-संजीवनी जैसे टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म पर महिलाओं को घर बैठे परामर्श उपलब्ध हो रहा है। आयुष्मान भारत योजना के तहत करोड़ों महिलाओं को मुफ्त इलाज मिला, यह स्वास्थ्य के क्षेत्र में सबसे बड़ा बदलाव है। सेना और सुरक्षा बलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। अब महिलाएं युद्धपोत चला रही हैं, लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, और फ्रंटलाइन पर तैनात हैं। यह बदलाव सिर्फ अवसर का नहीं, विश्वास का है। यह दिखाता है कि भारत अपनी बेटियों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। महिलाएं अब सिर्फ घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं हैं। वे निर्णय के केंद्र में हैं। वे योजनाओं की लाभार्थी नहीं, योजनाओं की दिशा तय करने वाली साझेदार बन चुकी हैं। प्रधानमंत्री मोदी बार-बार कहते हैं कि ह्लनारी शक्ति के बिना भारत का विकास अधूरा हैह्व और यही दर्शन हर नीति, हर निर्णय में स्पष्ट झलकता है। पिछले ग्यारह वर्षों ने यह प्रमाणित कर दिया है कि अगर राजनीतिक इच्छाशक्ति हो, तो व्यवस्थाएं बदली जा सकती हैं।

स्वामी विवेकानंद पुण्यतिथि पर विशेष

स्वामी विवेकानंद: विचारों के युगद्दष्टा, युवाओं के पथप्रदर्शक

योगेश कुमार गोयल

स्वामी विवेकानंद सदैव युवाओं के प्रेरणास्रोत और आदर्श व्यक्तित्व के धनी माने जाते रहे हैं, जिन्हें उनके ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे और खासकर भारतीय युवाओं के लिए उनसे बढ़कर भारतीय नवजागरण का अग्रदूत अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में जन्मे स्वामी विवेकानंद अपने 39 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में समूचे विश्व को अपने अलौकिक विचारों की ऐसी बेशकीमती पूंजी सौंप गए, जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक समस्त मानव जाति का मार्गदर्शन करती रहेगी। विवेकानंद के बारे में कहा जाता है कि वे स्वयं भूखे रहकर अतिथियों को खाना खिलाते थे और बाहर ठंड में सो जाते थे। मानवता के वे कितने बड़े हितैषी थे, यह उनके इस वक्तव्य से समझा जा सकता है कि भारत के 33 करोड़ भूखे, दरिद्र और कुपोषण के शिकार लोगों को देवी-देवताओं की भांति मंदिरों में स्थापित कर दिया जाए और मंदिरों से देवी-देवताओं की मूर्तियों को हटा दिया जाए। विवेकानंद का व्यक्तित्व कितना विराट था, यह गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के इस कथन से स्पष्ट हो जाता है कि अगर आप भारत को जानना चाहते हैं तो आप विवेकानंद को पढ़िए। विवेकानंद का कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए उन्होंने अनेक मूलमंत्र दिए। वे एक ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिनकी ओजस्वी वाणी सदैव युवाओं के लिये प्रेरणास्रोत बनी रही। विवेकानंद ने देश को सुदृढ़ बनाने और विकास पथ पर अग्रसर करने के लिए हमेशा युवा शक्ति पर भरोसा किया। युवा वर्ग से उन्हें बहुत उम्मीदें थीं और युवाओं की अहम्‌ भावना को खत्म करने के उद्देश्य से ही उन्होंने अपने एक भाषण में कहा भी था कि यदि तुम स्वयं ही नेता के रूप में खड़े हो जाओगे तो तुम्हें सहायता देने के लिए कोई भी आगे नहीं बढ़ेगा। इसलिए यदि सफल होना चाहते हो तो सबसे पहले अपने अहम्‌ का नाश कर डालो। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए उन्होंने एक मंत्र दिया था, ह्यउत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधतह्न अर्थात ह्यउठो, जागो और तब तक मत रूको, जब तक कि मंजिल प्राप्त न हो जाए।ह्न ऐसा अनमोल मूलमंत्र देने वाले स्वामी विवेकानंद ने सदैव अपने क्रांतिकारी और तेजस्वी विचारों से युवा पीढ़ी को ऊर्जावान बनाने, उसमें नई शक्ति एवं चेतना जागृत करने और सकारात्कमता का संचार करने का कार्य किया। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए स्वामी विवेकानंद ने अनेक मूलमंत्र दिए, जो देश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उनका कहना था, ह्यह्यब्रह्मांड की सारी शक्तियां पहले से ही हमारी हैं। वो हम ही हैं, जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। मेरा विश्वास युवा पीढ़ी में है, आधुनिक पीढ़ी से मेरे कार्यकर्ता आ जाएंगे। डर से भागो मत, डर का सामना करो। यह जीवन अल्पकालीन है, संसार की विलासिता क्षणिक है लेकिन जो दूसरों के लिए जीते हैं, वे वास्तव में जीते हैं। जो भी कार्य करो, वह पूरी मेहनत के साथ करो। दिन में एक बार खुद से बात अवश्य करो, नहीं तो आप संसार के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति से मिलने से चूक जाओगे। उच्चतम आदर्श को चुनो और उस तक अपना जीवन जीयो। सागर की तरफ देखो, न कि लहरों की तरफ। महसूस करो कि तुम महान हो और तुम महान बन जाओगे। काम, काम, काम, बस यही आपके जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। धन पाने के लिए कड़ा संघर्ष करो पर उससे लगाव मत करो। जो गरीबों में, कमजोरों में और बीमारियों में शिव को देखता है, वो सच में शिव की पूजा करता है। पृथ्वी का आनंद नायकों द्वारा लिया जाता है, यह अमोघ सत्य है, अतः एक नायक बनो और सदैव कहो कि मुझे कोई डर नहीं है।

देश में नशे के सौदागरों का बढ़ता जाल

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में नशे का संकट अब व्यक्तिगत बुराई नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आपदा बन चुका है। ड्रग माफिया, तस्करी, राजनीतिक संरक्षण और सामाजिक चुप्पी–सब मिलकर युवाओं को अंधकार में ढकेल रहे हैं। स्कूलों से लेकर गांवों तक नशे की जड़ें फैल चुकी हैं। यह सिर्फ स्वास्थ्य नहीं, सोच और सभ्यता का संकट है। समाधान केवल कानून से नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना, संवाद, शिक्षा और सामाजिक नेतृत्व से आएगा। अगर आज हम नहीं जगे, तो कल हम एक खोई हुई पीढ़ी का मातम मनाएंगे। भारत आज एक दोहरी लड़ाई लड़ रहा है–एक तरफ तकनीक और विकास की उड़ान है, और दूसरी ओर समाज के भीतर नशे का अंधकार फैलता जा रहा है। नशा अब सिर्फ एक व्यक्तिगत बुराई नहीं रह गया, बल्कि यह एक संगठित उद्योग, एक अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र और एक सामाजिक महामारी का रूप ले चुका है। देश के गाँव से लेकर शहर तक, स्कूलों से लेकर कॉलेजों तक, और अमीरों की पार्टियों से लेकर गरीबों की गलियों तक, नशे के सौदागर अपना जाल फैलाए बैठे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अब यह जाल केवल शराब या गांजे तक सीमित नहीं रहा। सिंथेटिक ड्रग्स, केमिकल नशे, हेरोइन, ब्राउन शुगर, कोकीन जैसे घातक पदार्थ अब भारत के युवाओं के जीवन को खोखला कर रहे हैं। पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली, मणिपुर, गोवा जैसे राज्यों में तो यह जहर सामाजिक ताने-बाने को चीर चुका है। एक ओर सरकार युवाओं को स्किल्ड बनाने की बात करती है, दूसरी ओर लाखों नौजवान नशे की गिरफ्त में अपनी ऊर्जा, जीवन और भविष्य गंवा रहे हैं। नशे के पीछे एक पूरा तंत्र सक्रिय है–पैसे के लिए इंसानियत का सौदा करने वाले ड्रग माफिया, पुलिस और राजनीति में मिलीभगत, विदेशों से आने वाली तस्करी की खेप, और स्थानीय स्तर पर युवाओं को इस दलदल में धकेलने वाले एजेंट। ये सब मिलकर देश को अंदर से खोखला कर रहे हैं। यह कोई संयोग नहीं कि हर बड़ी ड्रग बरामदगी के पीछे किसी न किसी रसूखदार का नाम सामने आता है, लेकिन मामला वहीं दबा दिया जाता है। एक वर्ग ऐसा भी है जो नशे को लाइफस्टाइल का हिस्सा मानने लगा है। ऊंचे दर्जे की पार्टियों में ड्रग्स फैशन बन चुकी है। वहां कोई इसे सामाजिक अपराध नहीं मानता, बल्कि ह्यकूलनेसह्न का प्रतीक बना दिया गया है। वहीं दूसरी तरफ गरीब युवा–जो बेरोजगारी, हताशा और टूटी हुई उम्मीदों के शिकार हैं–उन्हें नशा एक अस्थायी राहत की तरह दिखता है। दोनों ही हालात समाज को विनाश की ओर ले जा रहे हैं। स्कूलों और कॉलेजों में नशा जिस तरह से प्रवेश कर चुका है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक गहरी चेतावनी है। कई रिपोर्टें बताती हैं कि स्कूल के बच्चे तक ड्रग्स की चपेट में हैं। छोटे-छोटे पाउच, चॉकलेट जैसे पैकेट्स, खुशबूदार पाउडर–इनके जरिए नशा परोसा जा रहा है। और जब बच्चे इसकी गिरफ्त में आते हैं, तो परिवार, शिक्षक और समाज–सभी असहाय हो जाते हैं। भारत के संविधान ने हमें एक ह्यस्वस्थ राष्ट्रह्न का सपना दिया था, लेकिन जिस देश के युवा ही बीमार और नशे में हों, उस राष्ट्र की कल्पना कैसे साकार होगी? युवा ही देश की रीढ़ होते हैं–यदि वही झुक जाएं, टूट जाएं या खोखले हो जाएं, तो देश भी खड़ा नहीं रह सकता। नशा केवल शरीर को नहीं, आत्मा को भी मारता है। यह निर्णय क्षमता को खत्म करता है, रिश्तों को तोड़ता है, अपराध को जन्म देता है और समाज में हिंसा और उदासी का माहौल फैलाता है। नशे की लत में पड़ा व्यक्ति अपने परिजनों के लिए बोझ बन जाता है। वह चोरी करता है, झूठ बोलता है, आत्महत्या तक कर लेता है। यह एक मात्र स्वास्थ्य या कानून व्यवस्था की समस्या नहीं है–यह नैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संकट है। माफिया नेटवर्क में पुलिस और राजनीतिक संरक्षण की बात करना कोई षड्यंत्र नहीं है, बल्कि कई बार कोर्ट और जांच एजेंसियों के रिकॉर्ड में यह स्पष्ट रूप से सामने आ चुका है। ठउद्धर एक्ट जैसे कानून मौजूद हैं, लेकिन इनका क्रियान्वयन बेहद कमजोर और पक्षपाती है। कई मामलों में पकड़ में आए ड्रग तस्करों को तकनीकी खामियों के चलते छोड़ दिया जाता है। वहीं गरीब या छोटे उपयोगकर्ता जेल में सड़ते हैं। सरकारें अक्सर ड्रग्स के खिलाफ जागृति अभियान, स्लोगन प्रतियोगिता, या परेड जैसे प्रतीकात्मक कार्यक्रम करती हैं, लेकिन सवाल है कि क्या इससे कुछ बदलता है? जरूरत है एक मजबूत नीति, ईमानदार क्रियान्वयन और सबसे बड़ी बात–राजनीतिक इच्छाशक्ति की। नशे की तस्करी अक्सर सीमावर्ती इलाकों से होती है–पंजाब-पाकिस्तान सीमा, मणिपुर-म्यांमार सीमा, गुजरात समुद्री तट और मुंबई बंदरगाह जैसे स्थानों से। इन इलाकों में हाई अलर्ट की जरूरत है, लेकिन अक्सर सुरक्षा तंत्र या तो लापरवाह होता है या भ्रष्ट। पिछले कुछ वर्षों में टनों की मात्रा में ड्रग्स पकड़े जाने के बावजूद, ड्रग लॉर्ड्स पर कार्यवाही न के बराबर हुई है। इससे अपराधियों का मनोबल और बढ़ता है। इसमें मीडिया की भूमिका भी कमजोर रही है। कुछ चुनिंदा मामलों में मीडिया टीआरपी के लिए ड्रग्स ड्रामा दिखाता है, लेकिन अधिकतर समय वह इस गंभीर मुद्दे को उपेक्षित छोड़ देता है। और जब बॉलीवुड जैसी चमकती दुनिया में ड्रग्स की चर्चा होती है, तो उसे भी गॉसिप बना दिया जाता है, असल सामाजिक विमर्श नहीं। इस पूरे संकट का सबसे दुखद पहलू यह है कि इससे जुड़ा व्यक्ति अकेला नहीं मरता–उसके साथ पूरा परिवार, और धीरे-धीरे एक पीढ़ी मुरझा जाती है। मां-बाप अपनी औलाद को नशे में खोते हैं, भाई-बहन रिश्तों की राख में बदल जाते हैं, और गांव-शहर अपने युवाओं को खोकर बस मौन शोक में डूब जाते हैं। समाधान केवल दवाओं या जेलों में नहीं है। समाधान है–सशक्तिकरण में, संवाद में, शिक्षा में, और सामूहिक सामाजिक प्रयास में। हर पंचायत, हर स्कूल, हर मोहल्ले में नशे के खिलाफ ईमानदार मुहिम चलानी होगी। युवा मंडलों, महिला समूहों और शिक्षकों को इस मुद्दे पर नेतृत्व देना होगा। समाज को यह समझना होगा कि नशा केवल व्यक्ति की कमजोरी नहीं है, बल्कि यह एक षड्यंत्र है–जिसका शिकार पूरा समाज बन सकता है। हमें ऐसी शिक्षा व्यवस्था बनानी होगी जो युवाओं को केवल परीक्षा पास करने के लिए नहीं, बल्कि जीवन जीने की समझ दे। जीवन के संघर्षों से लड़ने का हौसला दे, असफलता को स्वीकार करने की शक्ति दे और आत्म-नियंत्रण का संस्कार दे। माता-पिता को भी बच्चों की मानसिक स्थिति, व्यवहार और संगति पर सतर्क रहना होगा। संवाद और विश्वास के बिना कोई समाधान संभव नहीं। डर या दंड से बच्चे छिपते हैं, लेकिन संवाद से खुलते हैं।

परिचय

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2022 तक देश के किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। खाद्य के मूल्यों में अत्यधिक उतार - चढ़ाव, मौसमी और कम समय के लिए मूल्य वृद्धि और अनियमित मानसून को देखते हुए कृषि क्षेत्र में शामिल सभी हितधारकों के लिए एह एक कठिन चुनौती है। इसके बावजूद किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य को अवश्य हासिल किया जा सकता है। खेत उत्पादकता में सुधार लाने, खेती की लागत को कम करने, अखिल भारतीय स्तर पर बाजार पहुँच को सुनिश्चित करने आदि की दिशा में सामूहिक प्रयास से इस लक्ष्य की प्राप्ति में काफी आसानी हो सकती है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। की इस लक्ष्य को हासिल करने में कंदीय फसलों की मुख्य भूमिका होगी।

कंदीय फसलों से भरपूर आमदनी

बागवानी से भरपूर आय

बागवानी क्षेत्रों में किसानों की आय को बढ़ाने की भरपूर क्षमता है। इसलिए पारंपरिक अनाजीय फसलों से उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों की ओर बदलाव करने से से भारत में किसानों की आय को दोगुनी करने की दिशा में व्यापक पैमाने पर योगदान किया जा सकेगा। बागवानी फसलों में भी विशेषत=कंदीय फसलें इस लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इनमें अभूतपूर्व उच्च प्रति इकाई उत्पादकता पाई जाती है। हालाँकि एक सम्यक रीति में किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उत्पादन क्लस्टरों को इनपुट के साथ - साथ उपभोक्ता बाजारों से अच्छी तरह से जोड़ने की जरूरत है यह संदेह से परे है कि कृषि इनपुट और उत्पादन से जुड़े सूक्ष्म - लघु - छोटे तथा माध्यम स्तरीय उद्यमों की स्थापना से ग्रामीण भारत की आजीविका सुरक्षा में प्रभावी तरीके से सुधार किया जा सकता है। कंदीय फसलें ग्राम स्तर पर ही ऐसे उद्यमों को स्थापित करने के भरपूर अवसर प्रदान करती हैं। कंदीय फसल अनुसंधान पर कहीं अधिक ध्यान देने की जरूरत है, जिसमें शामिल है= गैर- पारंपरिक क्षेत्रों में इनकी खेती का विस्तार करना, कंदीय फसलों की पोषणिक एवं खाद्य सुरक्षा भूमिका का पूर्वानुमान करना, मूल्यवर्धित खाद्य, आहार एवं औद्योगिक उत्पादों का विकास करके उपयोगिता संभावनाओं को बढ़ाना, अमंग आकलन रण नीतियाँ विकसित करना, नये बाजार विकल्पों की तलाश करना, औषधीय प्रभावों वाले हर्बल उत्पादों, जैव कीटनाशकों, प्राकृतिक खाद्य रंगों का विकास करना जैसे अल्प दोहित क्षेत्रों की खोज करना आदि। प्रौद्योगिकीय प्रगति का प्रभावी तरीके सेड प्रदर्शन और प्रसार करने. उत्पादकता में और सुधार करने और ग्रामीण जनसंख्या तक लाभ पहुँचाने के लिए इन फसलों की उपयोगिता संभावनाओं का खुलासा करने में काफी मदद मिल सकती है।

कंदीय फसलों में मूल्यवर्धन

उष्णकटिबंधीय कंदीय फसलों में न केवल खाद्य फसलों के रूप में महत्ता हासिल की है वरन इनकी आहार और कृषि आधारित उद्योगों में भी व्यापक संभावनाएं हैं। खाने - पीने की आदतों में तेजी से हो रह बदलाव और प्रति व्यक्ति आमदनी में अनुमानित बढ़ोतरी के साथ शहरी क्षेत्रों की ओर बढ़ते देशांतर से अगले 30 - 40 वर्षों में प्रसंस्करित और रेडी टू ईट (खाने के लिए तुरंत तैयार) सुविधाजनक खाद्य में बढ़ोतरी होने का अनुमान है। उस परिदृश्य में कंदीय फसलों से रोग - निरोधी और चिकित्सीय कार्यशील खाद्य विकसित करने की व्यापक संभावना विद्यमान है।

आलू, कसावा, शकरकंद, जिमीकंद, कचालू, टेनिया, याम (रतालू), याम बीन, अरारोट आदि जैसी कंदीय फसलें स्टार्चयुक्त भंडारण अवयव के रूप में संशोधित जड़ अथवा तने के साथ पौधों का एक समूह बनाती हैं। इनमें कहीं अधिक जड़ें, घनकंद, राइजोम्स होते है और इनके कंदों की खुदाई आमतौर पर जमीन से नीचे की जाती है। ये फसलें अनाज एवं दाना फसली के उपरांत तीसरी सर्वाधिक महत्वपूर्ण खाद्य फसलें हैं और प्रति इकाई समय में प्रति इकाई क्षेत्रफल में उच्च शुष्क सामग्री उत्पादन के साथ खाद्य उत्पादक रूप में अपनी जैविक प्रभावशीलता के आधार पर ये फसलें अनूठी हैं। ऊर्जा उत्पादन में आलू सबसे आगे (216 मेगाजूल/हे./दिन) एवं इसके बाद क्रमशः रतालू (181 मेगाजूल/हे./दिन), शकरकंद (152 मेगाजूल/हे./दिन), तथा कसावा (121 मेगाजूल/हे./दिन) का स्थान है। कंदीय फसलें विश्व की 1/5 आबादी के लिए मुख्य अथवा सहायक खाद्य के तौर पर उष्णकटिबंधीय तथा अर्द्ध उष्णकटिबंधीय देशों में लाखों लोगों की

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

उपयोगी प्रौद्योगिकियां

ऐसे किसान जो आलू और अन्य कंदीय फसलों की खेती करते हैं, वे उपयुक्त फसल किस्म, आधुनिक उत्पादन एवं संरक्षण तकनीकें अथवा बचाव प्रौद्योगिकियों को अपनाकर अपनी फार्म आमदनी में बढ़ोतरी कर सकते हैं। भाकृअनुप - केंद्रीय फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम जैसे शोध संस्थानों द्वारा आलू और अन्य कंदीय फसलों की अधिक पैदवार देने वाली अनेक किस्में और प्रौद्योगिकियां विकसित की गई है। कुछ प्रौद्योगिकियां राज्य कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा भी विकसित की गई हैं और वे किसानों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। इन प्रौद्योगिकियों की पहुँच अभी बहुत सीमित हैं। इन्हें किसान समुदाय के बीच लोकप्रिय बनाये जाने की जरूरत है ताकि कंदीय फसलों में वर्तमान पैदावार अंतराल को कम किया जा सके। आलू और अन्य कंदीय फसलों की उत्पदकता को बढ़ाने के लिए यहाँ प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेपों पर जानकारी देने का प्रयास किया गया है।

गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री

अधिकांश कंदीय फसलों को तने के टूकड़ों अथवा कंद का उपयोग करके शाकीय रूप से प्रवर्धित किया जाता है। इसलिए बीज की गुणवत्ता को बनाये रखना विशेषकर इसे वायरस तथा अन्य रोगजनकों से मुक्त रखना बहुत आवश्यक होता है। भारत में आलू उत्पादकों के समक्ष गुणवत्ता आलू बीज की उपलब्धता अभी भी एक प्रमुख समस्या है। इसीलिए यह जरूरी है कि किसानों को सस्ते दामों पर अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों की आपूर्ति की जाये। किसान स्वयं भी भाकृअनुप - केंद्रीय फसल अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा विकसित की गई बीज प्लाट तकनीक का उपयोग आलू बीज उगा सकते हैं। यह प्रौद्योगिकी पिछले 50 वर्षों से भारत में आलू के उत्पादन और उत्पादकता क्षेत्र में उल्लेखनीय बढ़ोतरी में मुख्य भोमिका निभा रही है। वायरस की पहचान करने वाली उन्नत तकनीकों, पौध बचाव उपायों और सस्यविज्ञान रीतियों के साथ बीज प्लाट तकनीक का एकीकरण करने से भारत में प्रजनक बीज उत्पादन कार्यक्रम की मजबूत बुनियाद रखने को बढ़ावा मिला है। हाल ही में हाइटेक बीज उत्पादन प्रौद्योगिकियां जैसे कि ऊतक संवर्धन से तैयार लघु कंद के साथ - साथ ऐरोपॉनिक प्रौद्योगिकी द्वारा तैयार लघु कंद का विकास किया गया हैइ इन्हें गुणवत्तायुक्त आलू बीज के उत्पादन के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐरोपॉनिक प्रौद्योगिकी के अंतर्गत, आलू पौधों को एक बंद अथवा संरक्षित वातावरण में उगाया जाता है और मृदा अथवा किसी अन्य समुच्य मीडियम का उपयोग किये बिना पोषण से भरपूर घोल का साथ समय - समय पर जड़ों पर छिड़काव किया जाता है। इसमें उच्च गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री का तेजी से गुणन होता है, जिसमें प्रति ऊतक संवर्धन पादप 35 - 60 लघुकंद उत्पन्न होते हैं। इसमें अनेक मृदा जनित रोगजनकों के आलू कंदों के साथ सम्पर्क में कमी आती है। इसके अलावा इसे ऑपरेट करना भी आसान होता है। इस प्रणाली को गौरवायविय तथा पानी की कमी वाले इलाकों में स्थापित किया जा सकता है। यह प्रौद्योगिकी अत्यधिक लागत प्रभावी है, जिसमें 10 लाख कंदों के उत्पादन के लिए 100 लाख रूपये का निवेश करने की जरूरत होती है और कोई भी उद्यमी इससे प्रति वर्ष 52 लाख रूपये तक कमा सकता है। अत=ऊतक संवर्धन और ऐरोपॉनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत में पारंपरिक बीज उत्पादन प्रणाली में क्रन्तिकारी बदलाव लाने की क्षमता है। भाकृअनुप - केंद्रीय कंदीय फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम द्वारा मानकीकृत मिनी सेट प्रौद्योगिकी को अपना कर उष्णकटिबंधीय कंदीय फसलों में भी वायरसमुक्त गुणवत्ता रोपण सामग्री को विकसित किया जा सकता है।

अनाज फसलों की तुलना में कंदीय फसलों से अधिक लाभ

चावल, गेंहू और मक्का जैसे पारंपरिक अनाज फसलों की तुलना में फल व सब्जियों जैसे बागवानी फसलें कहीं अधिक लाभ प्रदान करती हैं। उच्च मूल्य वाली फसलों और उद्यमों की दिशा में कृषि गतिविधियों का विविधीकरण करना किसानों की आय को बढ़ाने में एक प्रमुख चालक बन सकता है। भारत के तीन मुख्य राज्यों यथा उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और बिहार के लिए चावल व गेहूं जैसे अनाज फसलों और प्रमुख कंदीय फसल आलू में खेत की लागत और शुद्ध आय के तुलनात्मक अध्ययन को सरणी - 1 में दर्शाया गया है। यह देखा जा सकता है कि सभी चयनित राज्यों के लिए आलू की खेती की लागत चावल और गेहूं से कहीं ज्यादा है, जो कि पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा रूपये 1,08,860,30 प्रति हे. है। उत्तर प्रदेश में आलू से मिलने वाली प्रति हे. शुद्ध आय चावल और के मुकाबले दोगुनी से भी ज्यादा है। पश्चिम बंगाल में आलू से मिलने वाली प्रति हे. शुद्ध आय रूपये 36,519,70 है, जो कि चावल तथा गेहूं की तुलना में लगभग तीन गुना है। बिहार में गेहूं (प्रति हे. रूपये 26,835,70) के मुकाबले आलू (प्रति हे. रूपये 32,787,00) में कहीं अधिक लाभ मिला। बिहार में किसानों के लिए धान की खेती आलू की ही तरह लाभप्रद नहीं है, क्योंकि इससे उन्हें प्रति हे. केवल रूपये 6,277,70 का कम लाभ ही मिल रहा है। अत=यह देखा जा सकता है कि पारंपरिक अनाज फसलों के मुकाबले आलू जैसी कंदीय फसल की खेती करके किसान कहीं अधिक लाभ कमा सकते हैं।

उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकियां

भारत में कृषि केवल लाभ अर्जित करने वाला व्यवसाय नहीं है बल्कि यह 138 मिलियन से भी अधिक कृषिजोत पर काम करने वाले परिवारों के लिए परंपरा का हिस्सा है इनमें से 85 प्रतिशत परिवारों के पास 2 हे. से भी कम आकार वाली कृषिजोत हैं। इनमें से अधिकांश कृषिजोत का उपयोग बहु कृषि गतिविधियों यथा कृषि/बागवानी, पोल्ट्री एवं पशु पालन, मत्स्यिकी, मधुमक्खी पालन रेशमा पालन तथा वानिकी में किया जाता है। इन छोटी तथा सीमांत कृषिजोत में फसलचक्र सघनता बहुत अधिक होती है। यहाँ तक कि प्रायः=यह 300 प्रतिशत तक भी पहुँच जाती है।

फायदे का सौदा आलू

भारतीय समाज में आलू सर्वाधिक प्रचलित सब्जी है। देश में सब्जियों के तहत कूल कृषि में यह 21 प्रतिशत क्षेत्र में बोई जाती है और कुल सब्जी उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी 25.50 प्रतिशत है। चीन के बाद भारत आलू का सबसे बड़ा उत्पादक राष्ट्र है। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, गुजरात और पंजाब राज्यों को शामिल करते हुए भारत के गंगा के मैदानी इलाकों में देश के कुल आलू उत्पादन का 85 प्रतिशत से भी अधिक उत्पादन होता है। वर्ष 2014 - 15 में भारत में 23.1 टन/हे. की औसत उत्पादन हुआ। लगातर बढ़ रही जनसंख्या के साथ भविष्य में भारत में आलू की खपत कई गुना बढ़ने का अनुमान है।

जल बचत

आलू सहित किसी भी फसल की खेती के लिए सिंचाई जल इ=की म=कमी प्रमुख समस्या है। आधुनिक आलू किस्में जल की कमी वाली मृदाओं के प्रति संवेदनशील होती है और उनमें बार - बार उथली सिंचाई करने की जरूरत होती है। आमतौर पर पानी की कमी फसल की बढ़वार अवधि के मध्य से पिछेती भाग में भूस्तारी अथव स्टोलन गठन और कंद की शुरूआत तथा बल्किंग के दौरान होती है। इससे पैदावार में कमी होने की आशंका रहती है। अगेती फसलें शाकीय वृद्धि के दौरान कम संवेदनशील होती हैं। फसल पकने वाले अवधि की ओर उच्चतर रिक्तिकरण को अपनाकर भी जल की बचत की जा सकती है ताकि फसल द्वारा अपने जड़ क्षेत्र में भंडारित उपलब्ध पूरे जल का उपयोग किया जा सके। इस क्रियाविधि अथवा रीति से परिपक्वता को भी जल्दी किया जा सकता है और शुष्क पदार्थ सामग्री को बढ़ाया जा सकता है। कुछ किस्में कंद बल्किंग के अगेती भाग में सिंचाई के प्रति कहीं बेहतर प्रतिक्रिया देती हैं, जबकि अन्य बाद वाले हिस्से में कहीं बेहतर प्रतिक्रिया को दर्शाती हैं। कम कंदों वाली किस्में आमतौर पर अनके कंदों वाली किस्में आमतौर पर अनेक कंदों वाली किस्मों की तुलना में जल की कमी के प्रति कम संवेदनशील होती हैं। सिंचाई के लिए सही समय का चयन करके और पौधा वृद्धि चक्र की विशिष्ट अवस्था में जल प्रयोग की उपयुक्त गहराई का प्रयोग करके आलू की फसल में जल की जरूरत को किफायती बनाया जा सकता है। अब जलमग्न अथवा बाढ़ जैसे सिंचाई की तुलना में ड्रिप एवं स्प्रिकलर विधियों के माध्यम से सटीक रूप से सिंचाई करने के लिए प्रौद्योगिकियां मौजूद हैं, जो न केवल पानी की बचत करती हैं वरन साथ ही उत्पादकता को भी बढाती हैं।

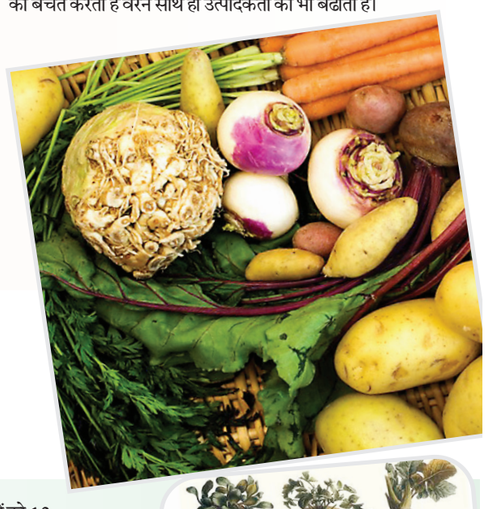

उन्नत फसलोत्तर प्रबंधन

खुदाई अथवा तुड़ाई करने के उपरांत, छिलकों के उपचार हेतु कंदों को 10 - 15 दिनों तक ढेर में रखा जाना चाहिए। यह जरूरी है की सभी क्षतिग्रस्त और सड़े हुए कंदों को हटा दिया अच्छा लाभ कमाने के लिए उत्पाद अर्थात कंदों की छटाई की जाये और उन्हें ग्रेडिंग के अनुसार जूट के थैलों में पैक किया जाए। किसान अधिक लाभ कम सकते है यदि अपने आलू को शीत भंडार में भंडारित किया जा सकता है। इस प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए भंडारित किये गये आलू स्वाद में मीठे नहीं होंगे और इस प्रकार इनसे कहीं अधिक मूला हासिल किये जा सकता है। यह ध्यान दिया जाये कि बीज आलू को केवल 0 - 20 सेल्सियस तापमान पर ही भंडारित किया जाये। चिप्स, फ्रेंच फ्रेंचाइज, लच्छा आदि जैसे निर्जलीकृत आलू उत्पादों को तैयार करके आलू में मूल्यवर्धन करने से भी किसानों को आकर्षक लाभ मिल सकता है। भाकृअनुप - केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला में घरेलू स्तर पर मूल्य वर्धन करने की प्रौद्योगिकियां उपलब्ध है।

कोरोना वैक्सीन और युवा लोगों में अचानक हार्ट अटैक को लेकर उठ रहे सवाल पर बोले विशेषज्ञ, कहा- इनके बीच कोई संबंध नहीं

नई दिल्ली

कोरोना वैक्सीन और युवा लोगों की अचानक हार्ट अटैक से हो रही मौतों को लेकर उठ रहे सवाल को विशेषज्ञों ने खारिज कर दिया। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के पूर्व महानिदेशक डॉ बलराम भार्गव ने कहा कि कोरोना वैक्सीनेशन और युवा लोगों में अचानक हृदय संबंधी मृत्यु के बीच कोई संबंध नहीं। आईसीएमआर के हाल ही में किए गए एक अध्ययन से यह स्पष्ट रूप से पता चलता है। उन्होंने कहा कि 18 से 45 वर्ष के लोगों में हार्ट अटैक से हो रही मौतों में 50 प्रतिशत से अधिक युवा धूम्रपान करने वाले होते हैं या फिर शराब पीने की लत होती हैं। कोई मधुमेह रोग से ग्रसित होते हैं या उनमें उच्च कोलेस्ट्रॉल का स्तर होता है। निचले और मध्यम स्तर के लोगों में तम्बाकू चबाने की भी रिपोर्ट है, जिससे धमनियों में कसाव, वसा जमाव और थक्का बनने की समस्या होती है, जो कोरोनरी धमनियों को अवरुद्ध कर सकता है और दिल के दौरे का कारण बन सकता है।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि इन दिनों एक और बड़ा जोखिम है। भारी जिमिंग और बॉडीबिल्डिंग के लिए स्टेरॉयड, हार्मोन और हर्बल सप्लीमेंट जैसे असत्यापित पदार्थों का उपयोग किया जा रहा है। जिम जाना अच्छा है, लेकिन ऐसे पदार्थों का सेवन करते हुए अचानक तीव्र कसरत शुरू करना खतरनाक है। युवाओं को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को अपना वजन, रक्तचाप, शुगर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर के बारे में ध्यान रखना चाहिए। यदि वे सीमा के भीतर न हों तो उन्हें सुधारने के लिए कदम उठाने चाहिए। हानिकारक आदतों से बचना चाहिए। वहीं, नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वीके पॉल ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि कोरोना टीकों का परीक्षण व्यवस्थित प्रयोगशाला अध्ययनों, पशु विषाक्तता अध्ययनों और नैदानिक अध्ययनों के बाद किया गया था और वे वैज्ञानिक और सभी नियामक और बेंचमार्क मानदंडों को पूरा करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

हमारी पार्टी महागठबंधन के साथ है, तेजस्वी से मुलाकत कर लूंगा निर्णय : पशुपति पारस

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री व राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के संरक्षक पशुपति कुमार पारस ने गुरुवार को कहा कि अब एनडीए से उनका कोई नाता नहीं है। बिहार में दो ही गठबंधन हैं, एनडीए और महागठबंधन। अब मैं महागठबंधन के साथ हूं और जल्द ही तेजस्वी यादव से मुलाकात कर अंतिम निर्णय लूंगा। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी आरोप लगाए। पूर्व केंद्रीय मंत्री पारस ने आज यहां पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। राज्य 8में अपराधियों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है। प्रशासन चाहकर भी अपराधियों पर कार्रवाई नहीं कर पा रही है। राज्य में कानून का राज नहीं रहा और आम जनता भय के माहौल में जी रही है। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मानसिक रूप से अस्वस्थ हो चुके हैं। मुख्यमंत्री को कुछ पता नहीं है, सत्ता कुछ लोगों के हाथों में केंद्रित हो गई है, जो मनमानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, केंद्र की सरकार केवल जुमलेबाजी कर रही है। महंगाई लगातार बढ़ रही है, बेरोजगारी चरम पर है और युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी एकतरफा कार्रवाई करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आयोग निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर रहा है और एक विशेष दल के पक्ष में कार्य कर रहा है।

न्यू जर्सी में स्काईडाइविंग विमान दुर्घटनाग्रस्त, 15 घायल

ट्रेंटन (न्यू जर्सी)। संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वी तट पर स्थित प्रांत न्यू जर्सी के विलियम्सटाउन में

एक हवाई अड्डे के पास हुई स्काईडाइविंग विमान दुर्घटना में 15 लोग घायल हो गए। यह विमान हादसा टुकाहो रोड पर घने जंगल में हुआ। द मिरर यूएस अखबार की खबर के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि यह स्काईडाइविंग विमान बुधवार शाम क्रॉस कीज हवाई अड्डे के पास जंगल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें 15 लोग सवार थे। घायलों को कैमडेन के एक अस्पताल में पहुंचाया गया। ग्लूसेस्टर काउंटी आपातकालीन प्रबंधन कार्यालय ने फेसबुक पोस्ट में इस दुर्घटना की पुष्टि की। उल्लेखनीय है, इससे पहले रविवार को ओहियो हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से छह लोगों की मौत हो गई। यह हादसा यंगस्टाउन-वॉरेन क्षेत्रीय हवाई अड्डे के निकट हुआ। मृतकों में एक परिवार के चार वयस्क सदस्य, पायलट और सह पायलट शामिल हैं।

फ्लाइट में क्रू मेंबर्स बनाते हैं शारीरिक संबंध, एयर होस्टेस ने खोले राज

वॉशिंगटन। हवाई जहाज में पायलट से लेकर फ्लाइट अटेंडेंट तक के लिए नियम सख्त होते हैं। यात्री फ्लाइट

में शारीरिक संबंध बनाने के बारे में यह नियम और भी सख्त होते हैं। इसके बावजूद फ्लाइट में ही क्रू मेंबर्स शारीरिक संबंध बनाते हैं। हैरान करने वाली बात ये है कि कॉकपिट जैसी जगह में ये काम होता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक एयर होस्टेस ने यह चौंकाने वाला खुलासा किया है। उसने दावा किया कि कैप्टन और केबिन क्रू के सदस्य 30000 फुट की ऊंचाई पर कॉकपिट में सामूहिक संबंध बनाते हैं। जब यात्री आराम कर रहे होते हैं तब कॉकपिट में होता है माइल हाई क्लब रिपोर्ट के मुताबिक फ्लाइट में शारीरिक संबंध को माइल हाई कहा जाता है। सीनियर एयर होस्टेस ने वीडियो में बताया कि जब यात्री सीटों पर आराम कर रहे होते हैं, उसी दौरान पायलट और फ्लाइट अटेंडेंट माइल हाई क्लब में शामिल होते हैं। एनएसएफडब्ल्यू ने बताया कि इसलिए फ्लाइट डेक में कम से कम दो पायलट होते हैं और उड़ान के दौरान हर समय फ्लाइट डेक में कम से कम दो लोग होने चाहिए। एयर होस्टेस ने नियमों के बारे में बताया कि अगर पायलट को भूख या पेशाब लगती है तो उसे फ्लाइट डेक से बाहर आना पड़ता है। इस दौरान उसकी जगह पर फ्लाइट अटेंडेंट बैठता है। इस तरह से माइल हाई क्लब की योजनाएं शुरू होती हैं।

मिस्र ने लगाई अमेरिका से गुहार तुर्की को समुद्री डील करने से रोके

इस विवाद की जड़ तेल जो इस समुद्र में मिलने के हैं आसार

काहिरा

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन की हरकत से पड़ोसी देश टेंशन में आ गए हैं। इसको लेकर मिस्र ने अमेरिका से हस्तक्षेप करने की मांग की है। मिस्र ने कहा है कि वह लीबिया की पूर्वी इलाके की संसद को तुर्की के साथ समुद्री डील को मंजूरी देने से रोके। मिस्र ने चेतावनी दी है कि अगर इस डील को मंजूरी मिलती है तो इससे भूमध्य सागर में तनाव पैदा हो सकता है।

वह भी तब जब इस इलाके में गाजा और सूडान युद्ध चल रहा है। इस डील को पहले साल 2019 में लीबिया की प्रतिद्वंदी पश्चिमी सरकार ने किया था लेकिन पूर्वी सरकार की संसद इसे मंजूरी देना चाहती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलाट्टी ने इस पूरे मुद्दे को अफ्रीका के लिए वरिष्ठ एडवाइजर मसाद बोउलोस के साथ उठाया है। मिस्र के विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका की ओर से आश्वासन मिला है कि वह पूर्वी लीबिया के शासक खलीफा हफ्तार से इस मुद्दे पर बातचीत करेगा। पूर्वी लीबिया की संसद अगर इसे मंजूरी देती है तो तुर्की का पूर्वी भूमध्य सागर के एक बड़े विशेष आर्थिक क्षेत्र पर कब्जा कर लेगा। लीबिया की पूर्वी संसद तोबरुक में है जो खलीफा हफ्तार के कब्जे में है।

बता दें खलीफा हफ्तार को साल 2011 से ही यूएई, अमेरिका, मिस्र, फ्रांस और रूस से समय-समय पर समर्थन मिलता रहा है। 81 साल के हफ्तार ने पूर्वी लीबिया के एक बड़े इलाके पर कब्जा कर लिया था। साल 2019 में हफ्तार ने लीबिया में संयुक्त राष्ट्र की मान्यता वाली सरकार को गिराने की कोशिश की लेकिन वह फेल रहे।

उस समय संयुक्त राष्ट्र के मान्यता वाली सरकार को तुर्की का पूरा सपोर्ट था और उसने अंकारा के साथ एक समुद्री डील की थी जिसका भारत समेत ग्रीस और अन्य देशों ने विरोध किया था। वहीं ग्रीस ने इस डील का जवाब देने के लिए मिस्र के साथ एक डील की थी।

रूस से दोस्ती का बदला ले रहा अमेरिका, जयशंकर ने कहा....समय आने पर फैसला लिया जाएगा

वाशिंगटन। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अमेरिका द्वारा रूसी तेल के प्रमुख खरीदारों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारत उस समय उचित कदम उठाएगा, जब यह मामला सामने आएगा। दरअसल जयशंकर अमेरिका के चार दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने साफ किया कि भारत ने अमेरिका के उस सांसद के सामने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर कर दी है, जो कि रूस से व्यापार करने वाले देशों पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने वाला विधेयक पेश किया है। जयशंकर ने कहा, इसतरह के घटनाक्रम, जो भारत के हित में हों या उस पर प्रभाव डाल सकते हों, हम उन्हें बेहद करीब से ट्रैक करते हैं। उन्होंने बताया कि भारत और भारतीय दूतावास अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के संपर्क में हैं। ग्राहम वहीं सीनेटर हैं, जिन्होंने यह सख्त विधेयक लेकर आए है। विधेयक पेश कर उन्होंने विशेष रूप से भारत और चीन का नाम लेकर आरोप लगाया था कि ये देश मिलकर पुतिन का 70 प्रतिशत तेल खरीद रहे हैं। जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे देश को अपनी ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं और हितों को ग्राहम के साथ स्पष्ट रूप से साझा किया है। अब यह देखना होगा कि यह बिल कितना आगे बढ़ता है। जब समय आएगा, तब इस पर फैसला लिया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप इस विधेयक को समर्थन दे चुके हैं।

प्रधानमंत्री ओली को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, पिछले कार्यकाल की सभी संवैधानिक नियुक्तियां वैध करार

काठमांडू

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की चार साल पहले की गईं 52 संवैधानिक नियुक्तियों को सुप्रीम कोर्ट ने वैध करार देते हुए उन्हें बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने 3-2 के बहुमत से फैसला सुनाया। प्रधानमंत्री ओली के पिछले कार्यकाल में संसद के विघटन के बाद भी देश के सभी महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों पर नियुक्ति की गई थीं।

इसके लिए अध्यादेश लाते हुए संवैधानिक परिषद के बैठकों की नियमावली बदली गई थी। ओली के इस फैसले के खिलाफ में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायक करते हुए नियुक्तियों को रद्द करने की मांग की गई थी। चार साल तक सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच में इसकी सुनवाई हुई। करीब 14 घंटे की लगातार बैठक के बाद मध्यरात करीब सवा 12 बजे सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने फैसले में सभी 52 नियुक्तियों को वैध करार दिया। प्रधान न्यायाधीश प्रकाशमान सिंह राउत, न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल, मनोज शर्मा, कुमार चुड़ाल और नहकूल सुवेदी ने फैसला सुनाया। प्रधान न्यायाधीश राउत ने कहा कि उनके सहित एक और जज नहकूल सुवेदी ने इन सभी नियुक्तियों को रद्द करने का फैसला किया है। लेकिन बाकी तीन जजों द्वारा इसको वैध करार देने का फैसला करने से बहुमत से इसे वैध रहने का फैसला किया गया है। वरिष्ठ न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल ने कहा कि नियुक्ति के चार साल बाद जब उनके से कुछ पदाधिकारी रिटायर्ड भी हो चुके हैं।

मनीला में आग

मनीला में आग से जले अपने घरों में बचे हुए सामान की तलाश करते हुए लोग।

बंगाली श्रमिकों के उत्पीड़न को लेकर बंगाल सरकार ने ओडिशा सरकार को लिखा पत्र

कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत ने ओडिशा सरकार को पत्र लिखकर राज्य में काम कर रहे बंगाली भाषी प्रवासी श्रमिकों के साथ हो रहे कथित उत्पीड़न पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने ओडिशा के मुख्य सचिव मनोज आहूजा को संबोधित पत्र में इन श्रमिकों को बांग्लादेशी कहकर परेशान किए जाने को निंदनीय बताया है। बंगाल के मुख्य सचिव ने अपने पत्र में लिखा है कि वे गहरे दुख और गंभीर चिंता के साथ यह पत्र लिख रहे हैं क्योंकि ओडिशा के विभिन्न हिस्सों में रोजगार के लिए गए बंगाल के श्रमिकों को केवल उनकी भाषा के आधार पर उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। बताया कि इन श्रमिकों में दैनिक वेतनभोगी, रिक्शा चालक, घरेलू कामगार और वर्षों से बसे परिवार

शामिल हैं, जो ओडिशा की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

आरोप लगाया कि इन नागरिकों को बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के हिरासत में लिया जा रहा है, विशेषकर पारादीप और ओडिशा के तटीय जिलों जैसे जगतसिंहपुर, केंद्रापाड़ा, भद्रक, मलकानगिरी, बालासोर और कटक में। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब ये लोग आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, बिजली बिल और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के दस्तावेज़ पेश करते हैं, तब भी उनकी पहचान को खारिज किया जा रहा है। कई मामलों में इन श्रमिकों से पुश्तैनी जमीन के दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, जो कि प्रवासी कामगारों के लिए न केवल अव्यावहारिक है, बल्कि अन्यायपूर्ण भी है। मुख्य सचिव ने इस मुद्दे पर तुरंत और मानवीय दृष्टिकोण से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने आग्रह किया कि इन भारतीय नागरिकों के साथ भाषा या क्षेत्रीय पहचान के आधार पर भेदभाव या मनमानी हिरासत नहीं की जानी चाहिए। पत्र के अंत में उन्होंने कहा, हम हरसंभव सहयोग देने के लिए तैयार हैं ताकि पहचान सत्यापन और समाधान की प्रक्रिया सुचारू हो सके।

बिहार को बंगाल और नेपाल से जोड़ेगा पूर्णिया हवाईअड्डा, निर्माण कार्य को लेकर सीएस ने की समीक्षा बैठक

पटना/पूर्णिया

बिहार में नेपाल और बंगाल की सीमा से सटे पूर्णिया में स्थित हवाईअड्डे के निर्माण को लेकर राज्य सरकार तेजी से काम कर रही है। इसी संदर्भ में गुरुवार को राज्य सरकार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने पूर्णिया एयरपोर्ट के निर्माण कार्यों की प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा निर्माणाधीन हवाई अड्डे परिसर में की।

इसमें एयरपोर्ट से संबंधित इंटिरिम टर्मिनल बिल्डिंग, रनवे, एप्रोन, एप्रोच पथ समेत अन्य

अवसंरचनाओं की अद्यतन स्थिति की बारीकी से समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने बैठक में कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता से कोई समझौता न करने का सख्त निर्देश सभी अभियंताओं और संवेदकों को दिया।

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि एयरपोर्ट तक जाने वाली सभी सड़कों का निर्माण और मरम्मत कार्य शीघ्रता से पूर्ण किया जाए, जिससे आम लोगों को सुगम और सुरक्षित आवागमन

पूर्णिया एयरपोर्ट का रनवे होगा 9000 मीटर लंबा यानी राज्य का सबसे लंबा रनवे बनेगा

मिल सके। पूर्णिया एयरपोर्ट पर 9000 मीटर लंबा रनवे तैयार किया जा रहा है। यह बिहार में सबसे बड़ा रनवे होगा। अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने मीडिया से बातचीत में बताया कि हवाई अड्डा तक आवागमन के लिए मुख्य मार्ग के एलायनमेंट को लेकर भी चर्चा हुई। अगस्त महीने तक सभी निर्माण कार्यों को पूरा करने के लिए कहा गया है। कोशिश यही है कि अगले महीने पूर्णिया से उड़ान शुरू कर दी जाए।

मौके पर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन विपिन कुमार, नगर एवं विमानन निदेशक डॉ. निलेश रामचंद्र देवड़े, पूर्णिया प्रमंडल के आयुक्त राजेश कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गौरतलब है कि बीते जून 2022 में बिहार सरकार ने सिविल टर्मिनल पर निर्माण शुरू करने के लिए मौजूदा वायुसेना बेस के ठीक बगल में 52.5 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया था। इस हवाईअड्डे पर एक वीआईपी लाउंज, कार्गो सुविधाएं और अन्य सहायक बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाएगा। उत्तर बिहार के 13 जिलों सहित नेपाल और बंगाल के वंचित क्षेत्रों में हवाई पहुंच को बढ़ावा देने के लिए पूर्णिया हवाई अड्डे को भारत सरकार की उड़ान क्षेत्रीय संपर्क योजना के हिस्से के रूप में चुना गया है । 2025 की शुरुआत में, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने एक अंतरिम यात्री टर्मिनल के निर्माण के लिए बिहार सरकार के साथ एक अनुबंध किया था। यह अनुबंध 33.99 करोड़ का था और निर्माण तीन से चार महीनों के भीतर पूरा होना है।

ब्रीफ न्यूज़

रेलवे में पहली बार बल्क सीमेंट मूवमेंट के लिए विशेष टैंक कंटेनरों से परिवहन

जबलपुर। कंटेनरों में सीमेंट लोड करने की सुविधा के साथ बल्क सीमेंट मूवमेंट ने एक नए युग में प्रवेश किया है। कॉनकॉर ने

थोक सीमेंट को बैग के स्थान पर लूज (खुली) में परिवहन की सुविधा के लिए पहली बार विशेष टैंक कंटेनर उपलब्ध करवा कर भारत में सीमेंट लॉजिस्टिक्स को बदलने में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है। आंध्र प्रदेश के मेलचेरुवु में माई होम सीमेंट साइडिंग (एमएमएचएम) से बैंगलोर में कॉनकॉर आईसीडी व्हाइटफील्ड तक इन विशेष टैंक कंटेनरों की वास्तविक समय की आवाजाही सफलतापूर्वक शुरू हो गई है। यह पहल भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों को अभिनव और टिकाऊ लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करने के लिए भारतीय रेलवे के निरंतर प्रयासों में एक और मील का पत्थर है। इन टैंक कंटेनरों को रेल नेटवर्क के माध्यम से सीमेंट के कुशल, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल मूवमेंट को सक्षम करके सीमेंट उद्योग का समर्थन करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे पारंपरिक बैग वाले परिवहन पर निर्भरता काफी कम हो जाती है। यह न केवल सीमेंट कंपनियों की परिचालन दक्षता को बढ़ाता है बल्कि भारत के हरित और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देने के लक्ष्य के अनुरूप भी है। अपनी मजबूत अवसंरचना और बहुविध क्षमताओं का लाभ उठाकर, कॉनकॉर उद्योगों को अत्याधुनिक लॉजिस्टिक्स समाधानों से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो लागत प्रभावी और पर्यावरण हितैषी हैं।

संतों के चरणों से क्षेत्र में समृद्धि का वास होता है: गोविंद सिंह राजपूत

सागर। प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि संत-महात्माओं का सानिध्य समाज के लिए ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत होता है। उनके

आशीर्वाद से व्यक्ति ही नहीं, पूरा क्षेत्र सुख-समृद्धि की ओर अग्रसर होता है। मंत्री श्री राजपूत गुरुवार को रावतपुरा सरकार आश्रम वेदांती परिसर में चल रहे सात दिवसीय सद्गुरु प्राकट्य महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने संत रावतपुरा सरकार के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और प्रदेश की जनता एवं क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि व उन्नति की कामना की। इस अवसर पर श्री राजपूत ने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि रावतपुरा सरकार जैसे महान संत का आशीर्वाद हमारे सागर और बुंदेलखंड क्षेत्र को प्राप्त है। उनके पावन चरणों का जहां स्पर्श होता है, वहां सकारात्मक ऊर्जा स्वतः प्रसारित होती है। यही कारण है कि यह क्षेत्र हमेशा उनकी कृपा दृष्टि से फलता-फूलता रहेगा। मंत्री श्री राजपूत ने श्रद्धालुओं से संवाद करते हुए कहा कि हम सभी को अपनी संस्कृति, परंपरा और संत परंपरा पर गर्व है। संत समाज को जोड़ते हैं और नई पीढ़ी को सही मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार भी संतों और धर्म स्थलों के विकास के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। आश्रम परिसर में भजन-कीर्तन, प्रवचन और भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आध्यात्मिक लाभ लिया।

जिला चिकित्सालय खरगोन में आयुष विंग प्रारंभ आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से रोगियों को मिलेगा नि:शुल्क लाभ

खरगोन। जिला आयुष अधिकारी डॉ. वासुदेव आसलकर ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला चिकित्सालय परिसर, खरगोन में 25 जून 2025 से आयुष विंग प्रारंभ कर दिया है। इस नई सुविधा के तहत विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सभी प्रकार की बीमारियों का आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से बाह्य रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया जाएगा। साथ ही मरीजों को नि:शुल्क औषधियां भी प्रदान की जाएंगी। डॉ. आसलकर ने बताया कि आयुष विंग के माध्यम से आमजन को आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति का लाभ सुलभ रूप से मिलेगा। उन्होंने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में आयुष विंग का लाभ लें और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से अपने स्वास्थ्य की रक्षा करें।

पूजा पैथोलॉजी लेब ने 15वें वर्ष में सेवा संकल्प के साथ किया प्रवेश

तारागंज शासकीय विद्यालय में स्कूली बच्चों को वितरित किए बैग, टिफिन व बोतल

दीनबन्धु, सारंगपुर।
dinbandhunews.com

सारंगपुर की प्रतिष्ठित स्वास्थ्य संस्था पूजा पैथोलॉजी लेब ने अपने सेवा के 14 वर्ष पूर्ण कर 15वें वर्ष में प्रवेश पर एक विशेष सामाजिक पहल करते हुए तारागंज शासकीय विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को स्कूल बैग, टिफिन बॉक्स और पानी की बोतल वितरित किए। साथ ही संस्था द्वारा विद्यालय के सभी बच्चों की नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच किए जाने की घोषणा की गई। इस प्रेरणादायक कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदू सिंह जी राजपूत (बाबल्दा) ने की। मुख्य अतिथि के रूप में विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुरेश वीरमाल जी, विकासखंड साक्षरता समन्वयक नरसिंह लाल जी, जन शिक्षक रमेश तमोली जी एवं

दुर्गेश भारती जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ से प्राचार्य श्रीमती ऋतु शर्मा, श्रीमती प्रेमलता वर्मा, श्रीमती ललिता पुष्पद, श्रीमती रेखा भिलाला, श्रीमती गीता पाल, श्रीमती उमा विश्वकर्मा एवं श्रीमती मंगला खींची ने सहभागिता निभाई। विशिष्ट अतिथियों में पार्षद सुनील बागवान, पूर्व सरपंच सत्यनारायण पुष्पद, पूर्व पार्षद मधुसूदन पुष्पद, पूर्व सरपंच चंदर सिंह परमार, संतोष सिंह सांवरिया, सुरेश पुष्पद, मनीष पुष्पद, दीपक पुष्पद, बाबूलाल पुष्पद, कैलाश पुष्पद, रामचरण नायक, राधेश्याम वर्मा, राहुल सैन, हेमराज दांगी, ढब्लू राहुल बड़गोतिया तथा रितेश राजपूत सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। पूजा पैथोलॉजी लेब के संचालक कैलाश सिंह बाबल्दा ने इस अवसर पर कहा कि हमेशा सेवा को प्राथमिकता दी है। 15वें वर्ष की शुरुआत सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ करना हमारे लिए गौरव की बात है। बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच हमारी जिम्मेदारी है, जिसे हम नि:शुल्क निभाएंगे। सभी अतिथियों एवं ग्रामीणजनों ने पूजा पैथोलॉजी की इस पहल की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्पद बताया।

बाल संवर्धन और संरक्षण अभियान के तहत आयोजित हुआ शिविर

दीनबन्धु, खरगोन
dinbandhunews.com

हरीश कुमरावत। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडलेश्वर के अध्यक्ष प्रधान जिला न्यायाधीश श्री अखिलेश जोशी के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं खंड न्यायाधीश सुश्री प्रीति जैन द्वारा निखिल हायर सेकंडरी स्कूल मुरल्ला, ग्राम पंचायत भवन मुरल्ला एवं हायर सेकंडरी स्कूल रतनपुर तहसील बड़वाह में विधिक साक्षरता शिविर को संबोधित किया। नालसा की बच्चों के लिए बाल अनुकूल सेवाएं योजना के तहत आयोजित विशेष अभियान बाल संवर्धन और संरक्षण अभियान 02

जुलाई से 07 जुलाई तक चलाया जाएगा। न्यायाधीश सुश्री जैन ने विद्यार्थियों को बताया कि इस योजना के तहत बच्चों के शारीरिक मानसिक नैतिक और आध्यात्मिक कल्याण की रक्षा करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। साथ ही बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों के संरक्षण पर भी जोर दिया जा रहा है। शिविर में बच्चों को नालसा की जागृति डॉन योजना की भी जानकारी दी गई। बच्चों को पॉक्सो एक्ट बाल विवाह और नशा मुक्ति पर भी कानूनी जानकारी दी गई एवं ग्राम पंचायत में आम लोगों को भी नालसा की योजना नशा मुक्ति, महिलाओं के विरुद्ध होने वाली घरेलू हिंसा, महिलाओं के अधिकारों, ग्राम न्यायालयों में लगने वाली लोक अदालत के बारे में एवं विधिक सलाह एवं सहायता के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

समुद्र की व्यथा

समुद्र तुमने अपने अंदर,
कितना साम्राज्य छुपा रखा।
बादल, बारिश तुमसे होती,
कितनों को जीवन दे जाते हो।
सूर्य,चंद्रमा या फिर हम,
तुम्हारी चंचलता से कोई,
अपना अस्क नहीं देख पाता।
इसलिए तुम ठुकराए जाते।
समुद्र तुम कितने लाजवाब,
कितनों का पेट पालते हो,
फिर भी खारे कहलाते हो।
मणि, माणिक तुममें छिपे,
समुद्री जीवों का संसार तुम,
मानुष की प्यास नहीं बुझा पाते,
इसलिए ठुकराए जाते हो।
समुद्र दूर देश ले जाते हो,
जहाज में भ्रमण कराते हो।
बड़े-बड़े क्रूज तुम पर चलते हैं,
जिसमें पूरा शहर समा जाता।
सारी सुख सुविधा होती,
पर तुम्हारी यात्रा महंगी है,
इसलिए ठुकराए जाते हो।
समुद्र तुम इतने विशाल हो।
भू भाग से भी ज्यादा बढ़े,
तुम्हारी अलग एक दुनिया है।
मछुआरे की तुम हो जिजीविषा,
पर जब सुनामी आती है।
कितना कुछ समेट ले जाती है,
अपनों को खो, बचता लाचार होता।
इसीलिए ठुकराए जाते हो।

डॉ सीमा अग्रवाल

धूमधाम व उत्साहपूर्वक निकाली गई भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा

विधायक ,इंजिनियर सहित नपाध्यक्ष श्रीमती मेवाडा व नागरिक रथयात्रा में हुएं शामिल

दीनबन्धु, आष्टा
dinbandhunews.com

परंपरानुसार अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ इस्कॉन आष्टा द्वारा श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा बड़े ही धूमधाम व उत्साहपूर्ण वातावरण में निकाली जाती है। इस वर्ष भी संघ द्वारा गायत्री मंदिर से रथयात्रा प्रारंभ की गयी जिसका कृषि उपज मंडी के समीप समापन हुआ। महाप्रभु जगन्नाथजी की रथयात्रा का शुभारंभ क्षेत्रिय विधायक गोपालसिंह इंजीनियर, नपाध्यक्ष श्रीमती हेमकुंवर मेवाड़ा, नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, पूर्व नपाध्यक्ष डॉ. मीना सिंगी, सहित नगर के अनेक श्रद्धालुओं द्वारा भक्तिभाव से पूजा-अर्चना व सुसज्जित रथ पर विराजमान भगवान महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी की आरती कर किया गया। रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन हरे रामा हरे कृष्णा का गायन व नृत्य करते हुए नजर आए। रथयात्रा का अनेक स्थानों पर पुष्पवर्षा से सामाजिक संगठनों, राजनैतिक संगठनों द्वारा स्वागत किया गया। आयोजित रथयात्रा में नगर के सेकड़ो श्रद्धालुगण शामील रहे।

विश्व हिंदू परिषद द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 200 लोगों की हुई स्वास्थ जांच

नर्मदापुरम। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के सेवा सप्ताह के अंतर्गत दिनांक 1 जुलाई से 7 जुलाई तक सेवा, सुरक्षा और संस्कार के कार्य किए जाने है जिसके अंतर्गत आज गुरुवार को विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल नगर समिति नर्मदापुरम द्वारा संत धुनि वाले दादा के पावन स्थान पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन में सेठा हॉस्पिटल डॉ. अतुल सेठा (प्रख्यात चिकित्सक) एवं उनकी टीम के द्वारा लगभग 200 लोगों का स्वास्थ परीक्षण किया गया तथा उन्हें दवाइयां प्रदान की गई। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा बालागंज, जुमेराती, बी टी आई तथा आसपास के क्षेत्र में लोगों तक स्वास्थ शिविर की सूचना पर शिविर पहुंच कर लगभग 200 लोगों को स्वास्थ लाभ लिया। जिला संयोजक नितिन मेषकर द्वारा बताया गया कि जन-जन की सेवा, ही हमारा संकल्प है बजरंग दल इसी प्रकार देश के प्रत्येक स्थान पर सेवा सप्ताह के माध्यम से लोगों को सेवा प्रदान करने में अग्रसर है। कार्यक्रम में विशेष सहयोग संजय रिछारिया द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रांत सह धमाचार्य संपर्क प्रमुख शिव राठौर, जिला उपाध्यक्ष प्रवीण अवस्थी, इशांत विश्वकर्मा, देव बाथव, बलराम विश्वकर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत नर्सरी का निरीक्षण किया

राहतगढ़। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड राहतगढ़ की नवांकुर योजना अंतर्गत चयनित संस्था जन जागृति ग्रामीण विकास समिति बसिया भान्सा , और प्रतिभा समाज उत्थान विकास समिति राहतगढ़ का संभाग समन्वयक दिनेश उमरैया जी के द्वारा नर्सरी ,जन सूचना केंद्र तथा पुस्तकालय का निरीक्षण किया गया जिसमें विकासखंड समन्वयक हरिराम , जय सिंह तथा जैसीनगर विकासखंड

के परामर्शदाता कृष्णा सिंह राजपूत उपस्थित रहे । जिसमें नवांकुर संस्था प्रतिनिधि अशोक पटेल और विकास दीक्षित के द्वारा संभाग समन्वयक तथा पदाधिकारियों का स्वागत किया गया इसके अलावा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति भैंसा से महेश कुमार और उनके साथी ग्राम बसिया भंसा से संजय पटेल नितिन पटेल मयंक पटेल हरप्रसाद रिकवर,राम मनोहर सेन ,महत्व पटेल, अरविंद मिश्रा,राज कुमार कुर्मी ,अंकित कुर्मी, सिवांश कुर्मी आदि लोग उपस्थित रहे।

सारंगपुर में कार्यकर्ताओं से मिले मंत्री गौतम टेटवाल

सारंगपुर। मप्र शासन के राज्यमंत्री गौतम टेटवाल सारंगपुर सहित सेवा सदन कार्यालय पहुंचे। इस दौरान सोशल मीडिया प्रभारी संतोष धनगर की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने उनका माला और साफा पहनाकर जोरदार अभिनंदन किया। इस दौरान टेटवाल ने कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनीं तथा उनके समाधान करवाने का भरोसा दिलाया गया। इस दौरान धनगर ने संगठन के बारे में जानकारी दी। मंत्री श्रीटेटवाल ने कहा कि संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता के सम्मान के लिए हम तत्पर है। क्योंकि हमारी पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, यही वजह है कि छोटा सा कार्यकर्ता भी परिश्रम और संगठन में अपने योगदान के दम पर बड़े से बड़े पद पर पहुंच सकता है।

किसानों को मिलेगी सुविधाएं तकनीक से लेस है नया तहसील भवनः विधायक राय

दीनबन्धु, सीहोर।
dinbandhunews.com

पुरानी कलेक्ट्रेट के पीछे बनकर तैयार हुए नये तहसील भवन का गुरूवार को विधायक सुदेश राय ने निरीक्षण किया। नवीन तहसील कार्यालय पहुंचने पर विधायक सुदेश राय को गुलदस्ता भेंटकर एसडीएम तंमय वर्मा और तहसीलदार भारत नायक ने स्वागत किया। निरीक्षण कर विधायक सुदेश राय ने अधिकारियों को बेहतर जनसेवा करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नवीन तहसील कार्यालय को लेकर तहसीलदार भारत नायक ने बताया कि आधुनिक तकनीक से भवन को तैयार किया गया है। भवन में राजस्व संबंधित कार्य के संपादन के लिए सभी जरूरी सुविधाएं और तहसील कार्यालय आने वाले किसानों विशिष्टजनों के बैठने की व्यवस्थाएं की गई है। पुराने भवन में सभी अधिकारियों कर्मचारियों को कार्य संपादन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। निरीक्षण उपरांत सुदेश राय ने कहा कि जन मानस को अच्छा सरल और तवतरित कार्य शैली उपलब्ध कराना ही सरकार का संकल्प है। किसानों को और भी अब अच्छी सुविधाएं मिलेंगी। निरीक्षण के दौरान समस्त नायब तहसीलदार कार्यालय के कर्मचारी गणमाननीय नागरिक मौजूद रहे।

सागर संभाग के नए कमिश्नर अनिल सुचारी ने संभाला कार्यभार

राजस्व, कानून व्यवस्था, बारिश और बुआई पर ली जानकारी

दीनबन्धु, सागर
dinbandhunews.com

सागर संभाग आयुक्त अनिल सुचारी ने संभाला पदभार। सागर संभाग के नवागत कमिश्नर अनिल सुचारी ने गुरुवार को पदभार ग्रहण किया। इस दौरान उन्होंने कलेक्टर संदीप जीआर और एसपी विकास शाहवाल से जिले की राजस्व और कानून व्यवस्था के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। कमिश्नर ने राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों, सीएम हेल्पलाइन, खाद-बीज-उर्वरक की आपूर्ति, पेयजल व्यवस्था, और बुआई की स्थिति की जानकारी ली। कलेक्टर ने बताया कि राजस्व और कलेक्टर न्यायालय के मामलों का निराकरण लगातार किया जा रहा है। जिले में अब तक करीब 7 इंच बारिश दर्ज हुई है और मक्का-सोयाबीन की बुआई 60:40 अनुपात में की जा रही है। पुलिस से नए कानूनों और शिकायतों पर चर्चा कमिश्नर सुचारी ने एसपी से नए पुलिस कानून, लंबित अपराध प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को लेकर चर्चा की। पेयजल की आपूर्ति सुचारु कलेक्टर ने बताया कि राजघाट जलाशय से सागर नगर, मकरोनिया और कैंट क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की जा रही है। कृषि उत्पादन आयुक्त की बैठक भी संपन्न हो चुकी है।

दबंग अध्यक्ष के रूप मे याद किये जायेंगे विष्णु दत्त शर्मा

सुबोध अग्निहोत्री

साधारण परिवार के साधारण कार्यकर्ता के रूप मे प्रारम्भ हुई विष्णु दत्त शर्मा की राजनैतिक यात्रा दबंग अध्यक्ष के रूप मे हमेशा याद की जाएगी। विद्यार्थी परिषद के बोध वाक्य (ज्ञान, शील, एकता, परिषद की विशेषता) में काम करते हुए धीरे धीरे राजनीति के पायदान पर चढ़ते चले गये। पूरे पांच साल तक प्रदेश अध्यक्ष रहे। प्रदेश में वे वी. डी. भाई साहब के नाम से ही चर्चित रहे। छात्र राजनीति में संघर्ष और आंदोलनों के चलते उनकी छवि जुझारू कार्यकर्ता के रूप में रही। वे कार्यकर्ता के काम आने वाले अध्यक्ष के रूप मे जाने- पहचाने गये। उनके अंदर तुरन्त निर्णय लेने की

क्षमता थी। वे आम तौर पर भी एवं पार्टी में भी काम को लटकाने में नहीं बल्कि निपटाने में विश्वास रखते थे। दबंग इतने कि अनुशासनहीनता और पार्टी लाइन के विरोध में काम करने वाले के विरुद्ध कार्यवाही करने में जरा सी भी देर नहीं लगाते थे। सत्ता व संगठन के बीच समन्वय का भी उन्होंने अद्भुत उदाहरण पेश किया। वैसे तो सत्ता से उनका समन्वय ठीक ही रहा, लेकिन यदि अंदरूनी कोई बात हुई भी हो तो न तो कभी चर्चा में आई और न ही अखबार की सुर्खियों में। वे पार्टी के पूर्ण समर्पित कार्यकर्ता के रूप में जाने-पहचाने गये, उनका मुखर विरोध भी कभी देखने सुनने को नहीं मिला। वे सबको साथ लेकर चलने में विश्वास रखते थे, इसी कारण उनका कोई विरोध नहीं था। पुराने परिचित होने के बाद भी मैं उनके अध्यक्ष कार्यकाल में बमुश्किल एक दो बार ही मिला, तब भी सिर्फ राम-राम, श्याम-श्याम ही हुई। लेकिन उनकी कार्यशैली से हमेशा प्रभावित रहा। वे अभी दूसरी बार के सांसद हैं, पार्टी नेतृत्व ही उनकी नई व अगली भूमिका तय करेगा। मामा शिवराज सिंह जी के कार्यकाल में भी उनकी उनसे अच्छी ट्यूनिंग रही। पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री बाबूलाल जी गौर का एक ही ध्येय वाक्य था कि संगठन की ही सरकार है, वे संगठन को महत्व भी देते थे और आदर भी करते थे। उनके कार्यकाल में प्रो. कप्तान सिंह जी सोलंकी ने जिस ठसक और अनुशासन से सरकार की छवि आम जनता में बनाई वह स्तुत्य है। वी डी शर्मा जी चूँकि मूलतः मुरैना जिले में जन्मे, पले-बढ़े सो उनके स्वभाव और कार्य-व्यवहार में खरखरापन रहना स्वाभाविक ही है। दबंगई भिंड-मुरैना जिले के जातकों का मूल पिंड है। अतः वे सरकार से जनहित और मन माफिक काम कहने और कराने में कभी गुरेज नहीं करते थे लेकिन सब कुछ अनुशासन के दायरे में। प्रदेश के नव निर्वाचित अध्यक्ष के संबंध में मान. मुख्यमंत्री जी ने इस बदलाव को रत्रत्तु-परिवर्तन के रूप में माना है। हेमंत जी खंडेलवाल संघ बीज की विरासित से पुष्पित और फलित व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने बचपन से ही राजनीति के गुण धर्म सीखे हैं। सरलता, सहजता और सज्जनता के रूप में उनके स्व. पिता श्री विजय खंडेलवाल जी को कौन नहीं जानता उनका रक्तांश आज हम सबके बीच में प्रदेश नेतृत्व के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है यह हम सबके लिये गौरव और आनंद का क्षण है।

पुरस्कृत होंगे वन विभाग के कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी-कर्मचारी: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश वन विभाग के वन्य जीव संरक्षण प्रयासों और उसमें प्राप्त हो रही सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन विभाग में रहकर उत्कृष्ट कार्य और बहुआयामी प्रयास करने वाले अधिकारियों और अन्य अमले को पुरस्कृत किया जाएगा। हाल ही में स्टेट टाइगर फोर्स के कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों-कर्मचारियों के संयुक्त प्रयासों में सफलता का एक महत्वपूर्ण आयाम जुड़ा है। स्टेट टाइगर फोर्स ने न सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर के विरूद्ध की गई सटीक विवेचना की बल्कि न्यायालय के स्तर पर भी ठोस पक्ष रखने का कार्य किया, जिसके फलस्वरूप आरोपित व्यक्ति ताशी शेरपा को 5 वर्ष की सजा सुनाई गई है।

मध्यप्रदेश की पहचान बनाए रखने के लिए गंभीर प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की पहचान सघन और पर्यावरण हितैषी वन क्षेत्र और भारत की समृद्ध जैव विविधता के प्रतीक विभिन्न वन्य प्राणी हैं। मध्यप्रदेश वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी गंभीरता और परिश्रमपूर्वक प्रदेश की वन और वन्यप्राणी सम्पदा के संरक्षण का कार्य कर रहे हैं। स्टेट टाइगर फोर्स जहां भारत सरकार के निर्देश पर वन्य जीवों की तस्करी की रोकथाम के लिए निरंतर प्रयास किए हैं, वहीं आरोपित व्यक्तियों को सजा दिलवाने का लक्ष्य भी पूरा कर रही है।

इंटरपोल मुख्यालय ने दी बधाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंटरपोल मुख्यालय ल्योन, फ्रांस से जारी पत्र में मध्यप्रदेश वन विभाग की स्टेट टाइगर फोर्स को अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर ताशी शेरपा के सफलतापूर्वक अभियोजन को पूरा करते हुए सजा दिलवाने के लिए बधाई दी है। स्टेट टाइगर फोर्स की कार्यवाही से अंतर्राज्यीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गिरोह बेनकाब हुए हैं। जिन गिरोहों के अपराधी भारत सहित नेपाल, भूटान और चीन तक वन्य जीवों की तस्करी में लिप्त रहते हैं, उन पर नजर रखते हुए टाइगर फोर्स ने वैज्ञानिक ढंग से विवेचना का कार्य किया है। ब्रेन-मेपिंग और पॉलीग्राफी टेस्ट से प्राप्त महत्वपूर्ण साक्ष्यों एवं सायबर डेटा एकत्र कर न्यायालय में उनके प्रस्तुत किए जाने से वन्य प्राणियों की तस्करी करने वालों को दोषी सिद्ध ठहराया जा सका। इस पूरे प्रकरण में यह भी महत्वपूर्ण है कि यह अपने तरह का ऐसा पहला मामला है, जिसमें बाघ के शिकारियों, बिचौलियों और तस्करों सहित 28 अपराधियों के गिरोह को गिरफ्तारकिया गया। गिरोह के एक फरार तस्कर जेई तमांग उर्व पसांग लिमी के विरूद्ध इंटरपोल ने रेड कार्नर नोटिस जारी किया है।

कांग्रेस की चार पीढ़ियां ने लोकतंत्र और संविधान का अपमान किया- डॉ. मोहन यादव

आपातकाल देश के माथे पर कलंक था- हेमंत खंडेलवाल

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, संगठन महामंत्री हितानंद जी एवं महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने गुरूवार को पीपुल्स ऑडिटोरियम में आपातकाल के 50 वर्ष के उपलक्ष्य में महिला मोर्चा द्वारा आयोजित ''महिला मॉक पार्लियामेंट'' को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस की चार पी?ियां ने लोकतंत्र और संविधान का अपमान किया है। कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर जी को जीवन भर अपमानित किया, आज वो उनके बनाए संविधान की दुहाई दे रही हैं। ये नकली वेष में ढोंगी रावण की तरह हैं, इन्हें पहचानें। प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि अदालत का निर्णय अपने विरोध में आने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी इतना घबरा गईं कि उन्होंने लोकतंत्र को कुचल कर देश में आपातकाल लगा दिया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल थोपकर संविधान का गला घोंट दिया था। प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी संविधान के नाम पर जनता को गुमराह कर रहे हैं। कार्यक्रम को महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने भी संबोधित किया। इस दौरान मीसाबंदी श्री तपन भौमिक का सम्मान किया गया। मंच पर केन्द्रीय मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्रीमती भारती पंवार, प्रदेश शासन के मंत्री श्री विश्वास सारंग, श्रीमती कृष्णा गौर, पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष व सांसद संध्या राय, महापौर श्रीमती मालती राय उपस्थित रहीं।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आपातकाल इकलौती घटना नहीं थी, बल्कि कांग्रेस की चार पी?ियां लोकतंत्र और संविधान का अपमान करती रही हैं। इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगा दिया। उन्होंने आकाशवाणी और अखबारों पर रोक लगा दी। हजारों लोगों को जेल में ठूंस दिया। तीसरी पी?ी में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने तीन तलाक को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को कानून बनाकर पलट दिया और मुस्लिम बहनों के हितों पर कुठाराघात किया।

आपातकाल देश के माथे पर कलंक था- हेमंत खंडेलवाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि आपातकाल देश के माथे पर कलंक था, यह कलंक कांग्रेस और इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता को बचाये रखने के लिए लगाया। निजी स्वार्थों के लिए कांग्रेस ने बाबा साहब के बनाये संविधान को बार-बार संशोधित किया। श्रीमती इंदिरा गांधी राजनारायण सिंह की चुनाव याचिका पर आए हाईकोर्ट के निर्णय से इतनी घबरा उठीं कि उन्होंने देश पर आपातकाल थोप दिया।

भोपाल में बनेगा आधुनिक प्रशासनिक पावर जोन, सतपुड़ा-विंध्याचल भवन होंगे री-डेवलप

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

राजधानी भोपाल में प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं केंद्रित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है। दिल्ली के सेंट्रल विस्टा की तर्ज पर अरेरा हिल्स क्षेत्र में एक नया अत्याधुनिक प्रशासनिक परिसर विकसित किया जाएगा। इस परियोजना के तहत झुग्गी बस्तियों का चरणबद्ध तरीके से विस्थापन किया जाएगा और इसके लिए 15 दिन के भीतर विस्तृत शिफ्टिंग प्लान तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

भोपाल के अरेरा हिल्स क्षेत्र में एक आधुनिक और ऊर्जा-संवेदनशील प्रशासनिक परिसर तैयार किया जाएगा, जिसे दिल्ली के सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इस परियोजना को साधिकार समिति ने स्वीकृति दे दी है। यह कार्य मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड के माध्यम से किया जाएगा। वर्तमान में उपयोग हो रहे सतपुड़ा और विंध्याचल भवनों को नए भवन बनने के बाद ही गिराया जाएगा, ताकि सरकारी कामकाज में कोई व्यवधान न आए। वल्लभ भवन के समीप नए भवनों के निर्माण के बाद ही विभागों को शिफ्ट किया जाएगा। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने नगर निगम और कलेक्टर को निर्देश दिए हैं कि अरेरा हिल्स क्षेत्र की झुग्गी बस्तियों का जल्द से जल्द पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, हाउसिंग बोर्ड को निर्देशित किया गया है कि 15 दिन के भीतर यह तय करें कि किन विभागों को नए भवन में स्थानांतरित किया जा सकता है। इसके लिए विभागाध्यक्षों से चर्चा की जाएगी। बोर्ड को आगामी दो माह में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत करनी होगी।

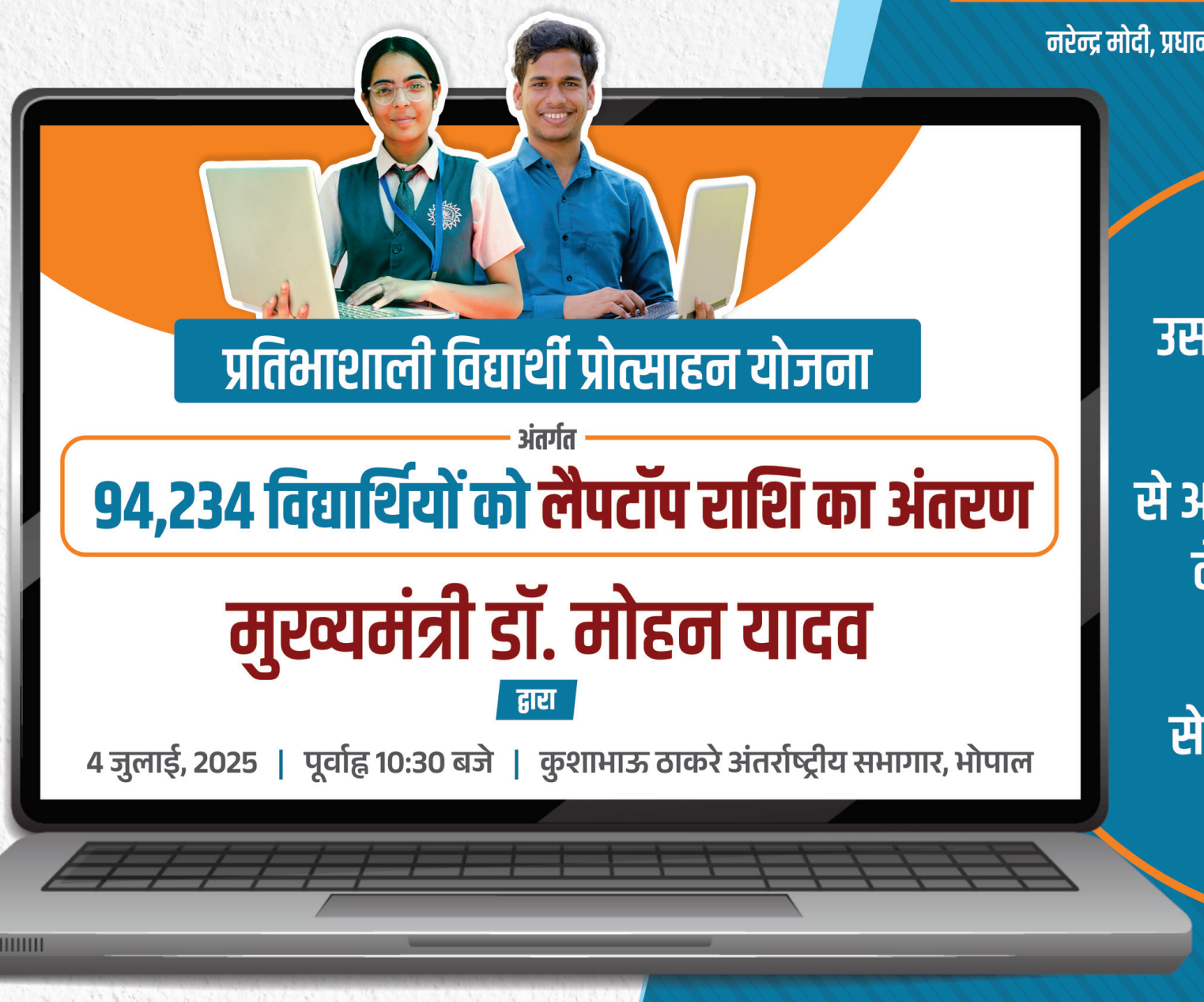

ग्रीन बिल्डिंग की अवधारणा पर होगा विकास

मुख्य सचिव ने सुझाव दिया है कि नए भवन 'ग्रीन बिल्डिंग' अवधारणा पर आधारित हों, जिससे ऊर्जा की खपत न्यूनतम हो। यह संपूर्ण योजना अगले 50 वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी दिनेश शर्मा द्वारा ह.न.3,पारस नगर बैरसिया रोड, फैस- II ,करोंद-जिला भोपाल 462038 (म .प्र) से प्रकाशित तथा उमा प्रिंटर्स ओल्ड पोस्ट आफिस जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित।
सम्पादक: दिनेश शर्मा, कार्यकारी संपादक चंद्रहास शुक्ल । (सभी प्रकार के विवादों का निपटारा न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा) मोबाइल नम्बर 9425028578